- 20th Year
- Issue: 93
- 01.08.2026 (SATURDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग पर अड़ा विपक्ष, दोनों सदन दिनभर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): संसद में शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए हंगामा किया जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन के प्रावधान वाले विधेयक को बिना चर्चा के पारित कर दिया। निचले सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर हंगामा शुरू कर दिया।वे आसन के निकट पहुंचकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, ''कई बार आग्रह किया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है, यह सदस्यों का समय है।

आप प्रश्नकाल के अंदर नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा मत करिये। आप सदन को चलने दें।'' उन्होंने कहा, ''आज प्रियंका (गांधी) जी का भी प्रश्न होना है और वह प्रश्न पूछने के लिए खड़ी हैं लेकिन आप लोग सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं।'' बिरला ने कहा, ''कुछ माननीय सदस्य जिस तरह भेष बदल-बदलकर आते हैं उन्हें मेरी चेतावनी है। कई सदस्यों ने मुझसे मिलकर और मुझे लिखकर कहा है कि संसद भवन और संसद परिसर की पवित्रता और मर्यादा बनी रहनी चाहिए। आप संसद की पवित्रता और गरिमा को समाप्त कर रहे हैं।'' सदन में निर्दलीय सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादवको आज साधुओं की तरह भगवा वस्त्र पहने हुए देखा गया। शोर-शराबा नहीं थमने पर उन्होंने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। बैठक 12 बजे फिर शुरू हुई तो हंगामा जारी रहा। हंगामे के बीच ही जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 को बिना चर्चा के पारित कर दिया गया। इसके बाद बैठक दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई को हुई थी और तब से सदन में विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण अब तक प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं हो सके हैं।उधर राज्यसभा में भी समान नजारा दिखा। नीट प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस

कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान की मांग और अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर विपक्षी सदस्यों ने हंगामे किया। इस वजह से राज्यसभा की बैठक शुरू होने के करीब बीस मिनट बाद ही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।हंगामे की वजह से उच्च सदन में शून्यकाल केवल 15 मिनट ही चल पाया और केवल चार सदस्य ही लोक महत्व से जुड़े अपने मुद्दे उठा सके। पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरू होने पर सभापति सी पी राधाकृष्णन ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया।

हंगामे के बीच विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए। सभापति से अनुमति मिलने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष और उच्च सदन में विपक्ष के नेता खरगे ने कहा कि उन्होंने नोटिस दिया है। राधाकृष्णन ने पूछा कि नोटिस किस नियम के तहत दिया गया।इस पर खरगे ने कहा कि उन्होंने नियम 267 के तहत नियत कामकाज स्थगित कर एक विशेष मुद्दे पर चर्चा करने के लिए नोटिस दिया है। सभापति ने स्पष्ट किया कि नियम 267 के तहत कोई भी नोटिस स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह पहले ही नियम 267 के बारे में व्यवस्था दे चुके हैं।खरगे का नियम 267 के तहत दिया गया नोटिस अयोध्या में राम मंदिर के लिए भूमि अधिग्रहण में कथित अनियमितताओं और धन के कथित दुरुपयोग से संबंधित था। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने कथित पेपर लीक मामले को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और गृह मंत्री अमित शाह के सदन में आने की मांग की। विपक्ष ने इस मुद्दे पर गृह मंत्री के इस्तीफे की भी मांग की है।विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन पर ''सड़क-छाप (ओछी) राजनीति'' करने और ''सदन की गरिमा से खिलवाड़'' करने का आरोप लगाया। चौहान ने कहा, ''वे सड़क-छाप राजनीति कर रहे हैं और सदन की गरिमा से खिलवाड़ कर रहे हैं। लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया जा रहा है... वे केवल हंगामा करना चाहते हैं, चर्चा नहीं।'' उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से शांत रहने और कार्यवाही चलने देने की अपील की लेकिन अपनी बात का असर होते न देख उन्होंने 11 बज कर बीस मिनट पर कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

जयशंकर ने ईरान से वाणिज्यिक जहाजों पर हमले रोकने का किया आग्रह

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): भारत ने शुक्रवार को ईरान से दृढ़ता के साथ अपील की कि वह किसी भी हालत में वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों पर हमले नहीं करे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अज़्बास अराघची से फोन पर हुई बातचीत के दौरान कहा कि भारत किसी भी पक्ष की ओर से किए गए ऐसे किसी भी हमले की निंदा करता है। जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''क्षेत्र में जारी संघर्ष को लेकर अराघची से बातचीत में अपनी गहरी चिंता जाहिर की। इतिहास

मैंने जोर देकर कहा कि किसी भी परिस्थिति में वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों पर हमलों से बचा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''भारत किसी भी पक्ष की ओर से किए गए ऐसे हमले की निंदा करता है।'' जयशंकर ने कहा कि अराघची ने उन्हें मौजूदा

घटनाक्रम और जारी वार्ताओं पर ईरान के दृष्टिकोण से अवगत कराया। उन्होंने कहा, ''भारत हमेशा संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है।'' दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह बातचीत ऐसे समय हुई है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। भारत होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों पर हो रहे हमलों को लेकर लगातार गंभीर चिंता जताता रहा है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में बताया कि फरवरी से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में 10 नाविकों सहित 16 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है, जबकि 75 अन्य घायल हुए हैं। एक प्रश्न के लिखित उज़र में सिंह ने कहा, ''2026 में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से 10 नाविकों सहित 16 भारतीय नागरिकों की मौत हुई है। इनमें से एक सऊदी अरब, दो कुवैत, आठ ओमान, एक इराक और चार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मारे गए। वहीं, 75 भारतीय घायल हुए हैं, जिनमें 32 संयुक्त अरब अमीरात, 24 ओमान, चार कतर, 13 कुवैत, एक सऊदी अरब और एक इजराइल में घायल हुआ।

पत्नी पर व्यभिचार के आरोप पर अंतरिम गुजारा भज़ा से पहले निर्णय जरूरी-उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि अगर पति व्यभिचार का आरोप लगाता है, तो अदालत को पत्नी को अंतरिम गुजरा भज़ा देने का फैसला सुनाने से पहले पहले उस आरोप पर निर्णय लेना होगा। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अदालतों का यह मानना त्रुटिपूर्ण होगा कि ऐसे आरोप पर निर्णय केवल सुनवाई के अंतिम चरण में ही किया जा सकता है। पीठ ने कहा, ''चूंकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में यह प्रावधान है कि अगर व्यभिचार का आरोप साबित हो जाता है, तो पत्नी न तो अंतरिम और न ही अंतिम गुजारा-भज़ा की हकदार होगी।

इसलिए हमारा मत है कि अगर पति धारा 125(4) के तहत आवेदन करता है और शुरू में ही सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोप साबित कर देता है, तो अंतरिम गुजारा-भज़ा पर

रोक लगाई जा सकती है।'' शीर्ष अदालत का यह फैसला एक व्यक्ति की अपील पर आया है। व्याभिचार के आधार पर गुजारा भज़ा का विरोध करने वाली व्यक्ति की याचिका को राजस्थान उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया, जिसे चुनौती देते हुए उसने शीर्ष अदालत का रुख किया था। याचिकाकर्ता व्यक्ति और महिला का विवाह सात जुलाई 2014 को हुआ था।

शादी के कुछ साल बाद ही उनके बीच परेशानियां शुरू हो गईं, जिसके कारण महिला ने कथित तौर पर पुरुष पर कई आरोप लगाए और पुलिस में शिकायतें भी दर्ज कराईं। आखिरकार, 13 मई 2020 को उसने अपने बच्चे और कीमती सामान के साथ ससुराल छोड़ दी।

ताहिर हुसैन को उम्रकैद के बाद भाजपा ने अरविंद केजरीवाल से मांगी माफी

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): दिल्ली की एक अदालत द्वारा शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद भाजपा ने पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल से माफी की मांग की। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के दोषी आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य को शुक्रवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने कहा कि मामला ''दुर्लभतम'' श्रेणी में नहीं आता, जिसके लिए मौत की सजा दी जाए। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दंगों के समय केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं ने हुसैन को ''संरक्षण'' दिया था। मल्होत्रा ने आरोप लगाया,

''इससे (हुसैन के दोषी ठहराए जाने से) साबित होता है कि आप नेता दंगों को भड़का रहे थे।'' मल्होत्रा ??ने कहा कि केजरीवाल को देश से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा विधायक और दिल्ली सरकार के प्रवक्ता हरीश खुराना ने कहा कि उन्हें उज़्मीद थी कि हुसैन को मौत की सजा मिलेगी। खुराना ने कहा, ''दिवंगत अंकित शर्मा के परिवार को कुछ हद तक न्याय मिला है, लेकिन हमें उज़्मीद थी कि हुसैन को उम्रकैद के बजाय मौत की सजा मिलेगी ज़्योंकि यह दुर्लभतम मामला है। उनकी हत्या सिर्फ इसलिए की गई ज़्योंकि वह हिंदू थे।'' खुराना ने कहा कि अदालत का फैसला कांग्रेस और 'आप' के उन सभी नेताओं के मुंह पर जोरदार तमाचा है जिन्होंने इस पूरे मामले को सांप्रदायिक रंग दिया था। उन्होंने कहा कि अदालत द्वारा हुसैन को सजा सुनाए जाने के बाद केजरीवाल को देश से माफी मांगनी चाहिए। वहीं, आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पलटवार करते हुए कहा, ''ताहिर हुसैन परोक्ष रूप से भाजपा के लिए काम कर रहा था।''

हैदराबाद में पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर मेटा इंडिया प्रमुख के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद ३१/०७ (संवाददाता): हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कथित आपज़िजनक पोस्ट को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत पर कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और मेटा इंडिया के प्रमुख के खिलाफ दो मामले दर्ज किए हैं।

भाजपा की तेलंगाना इकाई की सोशल मीडिया कोर कमेटी के एक सदस्य की 29 जुलाई की शिकायत के बाद आईटी कानून और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''ये मामले उन लोगों के खिलाफ दर्ज किए गए, जिन्होंने पोस्ट किया और उन्होंने (सोशल मंचों ने) कैसे इसकी इजाज़त दी।'' पहले मामले में, इंस्टाग्राम और फेसबुक उपयोगकर्ताओं तथा मेटा इंडिया के प्रमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इतिहास

शिकायतकर्ता ने कुछ ऐसे इंस्टाग्राम अकाउंट की जांच की मांग की, जिनसे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। शिकायत में कहा गया है कि इस सामग्री से देश की संप्रभुता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ विमर्श को बढ़ावा मिलता प्रतीत होता है।

भाजपा की तेलंगाना इकाई के मुज़्य प्रवक्ता एन वी सुभाष ने शुक्रवार को मांग की कि कॉजपा नीत नीट प्रश्नपत्र लीक आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने वाले अपमानजनक पोस्ट को लेकर जिज़्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत सज़्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति की आजादी कभी भी सुनियोजित तरीके से गाली-गलौज करने और किसी की छवि खराब करने का लाइसेंस नहीं बन सकती।'' उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के केंद्र में एक ''बुनियादी संवैधानिक सवाल'' है - ज़्या किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ बार-बार और संगठित सार्वजनिक अपमानजनक टिप्पणी अभिव्यक्ति की आज़ादी के दायरे में आता है या यह कानूनी कार्रवाई के लायक कदाचार है। सुभाष ने एक बयान में कहा कि संविधान आजादी की रक्षा करता है, लेकिन यह कानून तोड़ने को सही नहीं ठहराता। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ ज़िज़्मेदारियां भी आती हैं और जब कानूनी सीमाओं का कथित तौर पर उल्लंघन होता है, तो जवाबदेही तय होती है।

भोजशाला परिसर के पास उच्चतम न्यायालय की अनुमति के बाद कड़ी सुरक्षा में नमाज अदा

भोजशाला ३१/०७ (संवाददाता): उच्चतम न्यायालय की अनुमति के एक दिन बाद, मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला-कमाल मौला परिसर के निकट शुक्रवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच मुस्लिम समुदाय ने निर्धारित स्थल पर नमाज अदा की। जिला प्रशासन ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद भोजशाला के निकट सर्वे नंबर 612 को नमाज के लिए चुना गया था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा मई में भोजशाला-कमाल मौला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किए जाने के बाद पहली बार बड़ी संज़्या में मुस्लिम जुमे की नमाज के लिए पहुंचे।

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि मुस्लिम समुदाय को विवादित भोजशाला परिसर से सटे दरगाह परिसर में शुक्रवार को दोपहर एक बजे से तीन बजे के बीच नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए।

अदालत के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने नमाज के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब ढाई बजे 150 से अधिक लोग नमाज के लिए पहुंचे।

बारिश के बावजूद उन्होंने निर्धारित स्थल पर नमाज अदा की। उन्होंने बताया कि नमाज से पहले जिला प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। सुरक्षा के मद्देनजर भोजशाला परिसर के चारों ओर अवरोधक लगाए गए और परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संज़्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य अज़्दुल समद ने कहा, हमने अपनी मांगें उच्चतम न्यायालय के समक्ष रखीं। अदालत ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए कमाल मौला मस्जिद से लगे क्षेत्र में नमाज अदा करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अदालत ने सर्वे नंबर 611, 612 और 596 का उल्लेख किया था तथा उपलज़्ध स्थान पर नमाज की व्यवस्था करने को कहा है।

समद ने कहा, प्रशासन के सहयोग से हमने सर्वे नंबर 612 पर नमाज अदा की और सर्वे नंबर 611 छोड़ दिया, ताकि किसी की भावनाओं या आस्था को ठेस न पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने कहा, बृहस्पतिवार शाम से ही मुस्लिम समुदाय के साथ लगातार संवाद किया गया। प्रशासन और पुलिस विभाग ने आपसी सहमति से आज शांतिपूर्ण ढंग से उसी स्थान पर नमाज कराने का निर्णय लिया।

उन्होंने बताया कि नमाज के दौरान लगभग 800 से 900 पुलिसकर्मी तैनात किए गए। इनमें विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के जवान भी शामिल थे। शहर के संवेदनशील इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीसीटीवी के जरिए भी निगरानी की गई।

उपखंड अधिकारी (एसडीएम) राजकुमार हलधर ने कहा कि प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं के बीच करीब 150 लोगों ने सर्वे नंबर 612 पर शांतिपूर्वक नमाज अदा की। इससे पहले धार के जिलाधिकारी राजीव रंजन मीणा ने बताया था कि नमाज के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएं की गई हैं। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने मई में अपने फैसले में भोजशाला-कमाल मौला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर माना था और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वर्ष 2003 के उस आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसके तहत मुस्लिम समुदाय को परिसर में शुक्रवार की नमाज की अनुमति दी गई थी।

उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अपने 242 पन्नों के फैसले में कहा था कि 11वीं शताज़्दी के इस स्मारक का धार्मिक स्वरूप वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर स्थापित हो चुका है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि मुस्लिम पक्ष मस्जिद निर्माण के लिए जिले में अलग भूमि आवंटित करने का अनुरोध राज्य सरकार से कर सकता है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया, जिसने बृहस्पतिवार को विवादित परिसर से सटे दरगाह परिसर में शुक्रवार की नमाज की अनुमति दी।

विविध समाचार

पाकिस्तान पर भारत का अब तक का सबसे बड़ा हमला, विदेश मंत्रालय ने दुनिया के सामने खोली आतंकिस्तान की पूरी पोल

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): भारत ने पाकिस्तान अधिकृत जज़्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आम नागरिकों पर हो रहे दमन को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ बेहद तीखा और आक्रामक रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस वार्ता में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि वहां की सज़ा अपने ही नागरिकों के खिलाफ बर्बर बल प्रयोग कर रही है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस पर चुप नहीं रहना चाहिए। जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत जज़्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे नागरिकों पर जिस तरह बल प्रयोग किया गया है, उसमें अब तक 40 से अधिक निर्दोष लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि बड़ी संज़्या में लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सज़ा का स्थानीय जनता के प्रति तिरस्कार उस समय पूरी दुनिया के सामने उजागर हो गया, जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने प्रदर्शन कर रहे नागरिकों को ही दुश्मन करार दे दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति को लेकर भी बड़ा राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के राजनीतिक मामलों के विशेष सहायक स्वयं यह स्वीकार कर चुके हैं कि जिन मुजाहिदीनों को पाकिस्तान की सज़ा ने वर्षों तक प्रशिक्षित किया, धन उपलज़्ध कराया, हथियार दिए और भारत में आतंक फैलाने के लिए भेजा, वही अब पाकिस्तान के खिलाफ हथियार उठा चुके हैं। भारत ने इसे पाकिस्तान की आतंकवाद समर्थक नीति की सबसे बड़ी स्वीकारोक्ति बताते हुए कहा कि आतंकवाद का जिस ढांचे को पाकिस्तान ने खड़ा किया था, अब वही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है।

रणधीर जायसवाल ने पीओजेके में तथाकथित चुनावों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि वे पाकिस्तान की सज़ा व्यवस्था के लिए एक अपमानजनक अस्वीकृति साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पीओजेके के लोगों ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों से गैरकानूनी हत्याओं की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान की कार्रवाई की निष्पक्ष जांच करने और उसे उसके अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील भी की। साथ ही भूटान के साथ विकास सहयोग को लेकर प्रभासाक्षी के प्रश्न के उज़र में विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश सचिव की हालिया भूटान यात्रा भारत-भूटान विकास सहयोग मंच (ङ्कठ्ठस्रद्बड्ड-क्चद्धह्वह्लड्डठ्ठ ष्ठद्ग1द्गद्यशश्चद्वद्गठ्ठह्ल ष्टशशश्चद्गह्म्ड्डह्लद्बशठ्ठ क्कद्यड्डह्ल-द्घशह्मद्व) के तहत हुई थी। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय विकास साझेदारी की व्यापक समीक्षा की और विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया। विदेश मंत्रालय

ने कहा कि यात्रा के दौरान दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। पहला समझौता भूटान के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट (ऋण सहायता) से संबंधित था, जबकि दूसरा समझौता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एज़्स) और भूटान के खेसर ग्यालपो अस्पताल के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए किया गया। दोनों पक्षों ने भविष्य की विकास परियोजनाओं और नई पहलों पर भी चर्चा की। भारत ने दोहराया कि भूटान उसकी 'पड़ोसी प्रथम' नीति का प्रमुख साझेदार है और दोनों देशों के बीच विकास, आधारभूत ढांचा, स्वास्थ्य तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग लगातार और अधिक मजबूत हो रहा है।

इसके अलावा, एक अन्य प्रश्न के उज़र में समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नौवहन के मुद्दे पर भारत ने अपने स्थापित रुख को दोहराया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर निर्बाध और स्वतंत्र नौवहन का समर्थक रहा है तथा वैश्विक समुद्री व्यापार की सुरक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण मानता है।

साथ ही नेपाल के साथ संबंधों पर पूछे गए प्रश्न के उज़र में रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देशों के बीच कई द्विपक्षीय मुद्दे एजेंडे में शामिल हैं और इन पर तकनीकी स्तर सहित विभिन्न संस्थागत तंत्रों के माध्यम से नियमित बातचीत जारी रहती है। उन्होंने संकेत दिया कि भारत-नेपाल संबंध निरंतर संवाद और सहयोग के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं।

रूसी सेना में भर्ती भारतीय नागरिकों के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय ने बताया कि अब तक भारत के प्रयासों से 139 भारतीय नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित की जा चुकी है। हालांकि अभी भी लगभग दो दर्जन भारतीय नागरिकों के रूस में होने की सूचना है, जिनकी वापसी के लिए रूस के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। मंत्रालय ने एक बार फिर युवाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि वे संदिग्ध एजेंसियों और जोखिमपूर्ण विदेशी नौकरी के प्रस्तावों से सतर्क रहें। इसके अलावा, अमेरिकी सीनेट में पेश एक विधेयक से जुड़े प्रश्न पर भारत ने संयमित लेकिन स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर आधारित है और देश अपने नागरिकों की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करता रहेगा। जायसवाल ने बताया कि इस विषय पर अमेरिका के विभिन्न हितधारकों के साथ संवाद जारी है।

ब्रिज़्स शिखर सज़्मेलन को लेकर भारत ने स्पष्ट किया कि इस वर्ष वह संगठन की अध्यक्षता कर रहा है और भारत में शिखर सज़्मेलन आयोजित करने की व्यापक तैयारियां चल रही हैं। निमंत्रण और अन्य तकनीकी पहलुओं पर उचित समय पर जानकारी साझा की जाएगी। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के पास रणनीतिक व्यापार नियंत्रण के लिए मजबूत कानूनी और नियामकीय व्यवस्था मौजूद है। उन्होंने कहा कि दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों का निर्यात पूरी तरह राष्ट्रीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप किया जाता है।

इसके अलावा, यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना होने के बाद हमले का शिकार बने जहाज एमवी एजीएन रैग्नार पर मौजूद भारतीय नागरिकों की स्थिति पर विदेश मंत्रालय ने बताया कि चार भारतीय चालक दल के सदस्य जहाज पर थे। इनमें दो सुरक्षित हैं, जबकि दो अब भी लापता हैं। यूक्रेन और रोमानिया, दोनों पक्षों की ओर से खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया है। भारत दोनों देशों के संपर्क में है और लापता भारतीयों के परिवारों को हरसंभव सहायता उपलज़्ध कराई जा रही है। इसके अलावा, अमेरिका से भारतीय नागरिकों के निर्वासन के आंकड़े भी विदेश मंत्रालय ने साझा किए।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार बोले- छात्रों के भविष्य को लेकर चिंतित है सरकार

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित है और राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार किए जा रहे हैं। राज्यपाल के रूप में अपने दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर मीडिया से बात करते हुए गंगवार ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को उसी तरह से सुलझाया जाना चाहिए जैसे केंद्र सरकार ने दिल्ली में छात्रों के आंदोलन को संभाला था। झारखंड में जारी छात्रों के प्रदर्शनों से जुड़े एक सवाल के जवाब में गंगवार ने कहा, ''आपने देखा कि दिल्ली में भी विरोध-प्रदर्शन हुआ था। वहां

मामले को सुलझा लिया गया। यहां भी इसे उसी तरह सुलझाया जाना चाहिए।'' राज्य में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित धांधली व अनियमितताओं को लेकर छात्र लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हर राज्य को समस्याओं का सामना करना पड़ता है और अनियमितताएं होती हैं।हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे बच्चों का भविष्य प्रभावित न हो।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधारों को एक ''नयी दिशा'' देनी चाहिए। गंगवार ने यह भी कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।

इससे पहले, राज्यपाल के रूप में दो वर्ष पूरे होने पर लोक भवन में कुलपतियों, शिक्षाविदों, संपादकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से बातचीत करते हुए गंगवार ने दोहराया कि राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में उच्च शिक्षा को मजबूत करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक रहा है।

अपने कार्यकाल को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने अपने लंबे संसदीय करियर की तरह ही पूरी प्रतिबद्धता के साथ सौंपी गई जिज़्मेदारियों का निर्वहन किया है। राज्यपाल ने राज्य के हितों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग देने के लिए राज्य सरकार का भी आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि ऐसा रचनात्मक सहयोग जन कल्याण और विकास पहलों को मजबूत करता रहेगा। इस अवसर पर एक कॉफी-टेबल बुक ''संवाद से विश्वास'' का भी विमोचन किया गया, जिसमें राज्यपाल के दो साल के कार्यकाल के दौरान की गई पहलों, उपलज़्धियों और जनसंपर्क का दस्तावेजीकरण किया गया है।

अब E20 को लेकर बड़ा हंगामा, पूनावाला भूख हड़ताल पर, केजरीवाल शुरू करेंगे कैंपेन

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): शनिवार का दिन E20 पेट्रोल के विरोध के लिए अहम हो सकता है, ज़्योंकि AAP के कन्वीनर अरविंद केजरीवाल अपना राष्ट्रीय अभियान शुरू करेंगे और एज़्टिविस्ट तहसीन पूनावाला साइलेंट मार्च और भूख हड़ताल के ज़रिए अपना आंदोलन तेज़ करेंगे। केंद्र सरकार के E20 प्रोग्राम के खिलाफ़ अपने राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत से ठीक पहले, केजरीवाल ने शुक्रवार को लोगों को संकेत दिया कि एक जाने-माने व्यक्ति इस आंदोलन में शामिल होंगे। यह तब हुआ जब पूनावाला, जिन्होंने 5 जुलाई को इथेनॉल-ज़्लेंडिंग के मुद्दे पर पहला ज़मीनी विरोध प्रदर्शन किया था, ने घोषणा की कि वे गांधी स्मृति तक मार्च

करेंगे और भूख हड़ताल शुरू करेंगे। केजरीवाल ने शुक्रवार को एज़्स पर पोस्ट किया कल (1 अगस्त) E20 के खिलाफ़ नेशनल टाउन हॉल% में देश की एक जानी-मानी हस्ती मेरे साथ होंगी जो लोगों की समस्याएं सुनेंगी और E20 पर कोई %फ़ैसला% लेंगी। आप भी अपने विचार साझा करने ज़रूर आएं। 27 जुलाई को,क्क हेडक्वार्टर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस कैंपेन की घोषणा करते हुए, केजरीवाल ने E20 पॉलिसी के खिलाफ अपने कैंपेन को हाल ही में हुए %कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टछ्वक्क) के आंदोलन से जोड़ा, जिसके कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने 27 जुलाई को कहा देश के युवाओं ने एक अहंकारी सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया और धर्मेंद्र प्रधान को जनता के सामने इस्तीफा देना पड़ा। अब मैं प्रधानमंत्री से अपील करता हूं कि वे E20-ज़्लेंडेड पेट्रोल के मुद्दे को भी हल करें। लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उनकी गाड़ियां खराब हो रही हैं और ज़्यूल माइलेज कम हो रहा है। इससे पहले कि यह मुद्दा और बड़ा हो जाए, मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे पहल करें और इसे हल करें। केजरीवाल ने कहा कि शनिवार को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन ज़्लब में होने वाला कार्यक्रम दोपहर 12 बजे शुरू होगा और लोगों से सुबह 11.30 बजे तक पहुँचने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा हमें उज़्मीद है कि हज़ारों लोग इसमें शामिल होंगे। जो लोग दिल्ली और आस-पास के शहरों में रहते हैं और व्यक्तिगत रूप से शामिल हो सकते हैं,

बस्तर नक्सल मुक्त हुआ, सीएम साय ने मांगी सड़क योजना में विशेष छूट

नयी दिल्ली ३१/०७ (संवाददाता): छज़्तीसगढ़ के मुज़्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। उन्होंने बस्तर में विकास कार्यों में तेज़ी लाने के लिए केंद्र की बुनियादी ढांचा योजनाओं में विशेष छूट देने का अनुरोध किया। डिप्टी चीफ मिनिस्टर विजय शर्मा के साथ मौजूद साई ने इस बात पर ज़ोर दिया कि 40-50 साल के विद्रोह के बाद इस इलाके के शांतिपूर्ण क्षेत्र में बदलने के बाद, यहाँ बेहतर सड़क कनेज़्टिविटी की बहुत ज़रूरत है।साय ने कहा कि आज, हमारे राज्य के डिप्टी ष्टरूविजय शर्मा के साथ, हमने केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की; बैठक में अधिकारी भी मौजूद थे। 40-50 साल बाद, हमारा बस्तर इलाका आखिरकार नज़्सल-मुक्त हो गया है और वहां विकास की बहुत ज़रूरत है। विकास के नज़रिए से कनेज़्टिविटी बहुत ज़रूरी है।

उन्होंने बताया कि हालांकि छज़्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से फ़ायदा हुआ है, लेकिन बस्तर के बड़े इलाकों में आबादी का घनत्व कम होने के कारण इस योजना के तहत मिलने वाली फ़ंडिंग की मानक गाइडलाइंस के हिसाब से चुनौतियां आती हैं।

इस वजह से दूर-दराज़ की बस्तियों को जोड़ने वाली सड़कें बनाना मुश्किल हो जाता है।साय ने कहा कि हालांकि हमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कई सड़कें मिली हैं, लेकिन उस इलाके में आबादी का घनत्व बहुत कम है; इसलिए, हमने मंत्री से मिलकर योजना के नियमों में कुछ ढील देने का अनुरोध किया। उन्होंने हमारी बात धैर्यपूर्वक सुनी और भरोसा दिलाया कि वे इस मामले में पहल करेंगे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने साई के नेतृत्व की तारीफ़ की और बस्तर के लिए एक खास सड़क नेटवर्क बनाने की योजना की पुष्टि की। चौहान ने कहा कि आज मैंने छज़्तीसगढ़ से जुड़े मुद्दों पर मुज़्यमंत्री विष्णु देव साय ङ्क जिनके नेतृत्व में राज्य तरक्की और विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है और अब नज़्सल-मुक्त हो गया है ङ्क और उपमुज़्यमंत्री विजय शर्मा (जिनके पास ग्रामीण विकास विभाग भी है) के साथ बहुत सार्थक चर्चा की... हम बस्तर में विकास की एक नई कहानी लिखेंगे, जो अब शांत है। बस्तर के खास हालात और हाल के वर्षों में वहां बड़े विकास कार्यों की कमी को देखते हुए, हम क्करूत्रस्ङ्घ के तहत एक अलग तरह का सड़क नेटवर्क बनाने की योजना बना रहे हैं।

सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार का चहुंमुखी विकास, सहयोग शिविर से मिला त्वरित समाधान

पटना ३१/०७ (संवाददाता): सूचना एवं जन-सज़्पर्क विभाग के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मो. सोहैल ने कहा कि माननीय मुज़्यमंत्री सम्राट चौधरी जी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राज्य के सभी पंचायतों, प्रखंडों और नगर निकायों में प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 19 मई 2026 से शुरू इस शिविर के तहत लोगों की समस्याओं से संबंधित 5 लाख 83 हजार 8 सौ 66 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 5 लाख 33 हजार 904 मामलों का समय सीमा के भीतर निपटारा किया जा चुका है। शेष लंबित मामलों के निपटारे की प्रक्रिया भी तेजी से की जा रही है। विदित है कि सहयोग शिविर के सबसे ज्यादा मामले भोजपुर, पश्चिम चज़्पारण, पटना, बेगूसराय और मुजज़्फरपुर में प्रतिवेदित किए गए। सोहैल ने यह भी कहा कि माननीय मुज़्यमंत्री सम्राट

चौधरी जी के नेतृत्व में राज्य के सर्वांगीण विकास और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे हैं। इस क्रम में राज्य में सहयोग शिविर का आयोजन एक महत्वपूर्ण कड़ी है। लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सहयोग पोर्टल का निर्माण कराया गया है, जिस पर कभी भी ऑनलाइन परिवाद दर्ज कराया जा सकता है। साथ ही, निश्शुल्क हेल्पलाइन नंबर 1100 डायल कर सहयोग शिविर से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

विगत समय में सामान्य प्रशासन विभाग की कई उपलज़्धियों का उल्लेख करते हुए श्री सोहैल ने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग; बिपार्ड, गयाजी एवं बिपार्ड, पटना को इस वर्ष आईएसओ 9001= 2015 अंतर्राष्ट्रीय गुणवज़ा मानक का प्रमाणन प्राप्त हुआ है। लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम, 2011 के तहत अभी तक करीब 53.80 करोड़ आवेदनों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया जा चुका है। पंचायत सरकार भवनों में स्थापित लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से 64 से अधिक सेवाएं उपलज़्ध करायी जा रही हैं। इससे नागरिकों को अब प्रखंड, अनुमंडल अथवा जिला मुज़्यालय जाने की आवश्यकता नहीं रह गयी है। पंचायत स्तर पर अब तक कुल 33 लाख 77 हजार 620 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 33 लाख 48 हजार 776 आवेदनों को सफलतापूर्वक निष्पादित किया जा चुका है। इस व्यवस्था को अधिक दक्ष बनाने के उद्देश्य से दिनांक 23 जून 2026 से तहत प्राप्त होने वाले आवेदनों की स्वत- अपील की व्यवस्था प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत अब तक कुल 6934 अपील के मामलों में 5503 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया जा चुका है। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से हर प्रमंडल में एक लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी और जिले में लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके तहत प्राप्त आवेदनों में 19.38 लाख से अधिक परिवादों का निपटारा किया जा चुका है। प्रेस वार्ता के दौरान सोहैल ने सरकारी सेवक शिकायत निवारण प्रणाली, सरकारी पदाधिकारी एवं कर्मियों का क्षमतावर्धन, मुज़्यमंत्री फेलोशिप योजना, युवाओं को उपलज़्ध कराए गए रोजगार, मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली, चल-अचल संपज़ि विवरण, हेल्पलाइन एवं कॉल सेंटर से संबंधित योजनाओं के साथ ही महत्वपूर्ण प्रशानिक निर्णयों से अवगत कराया। इस अवसर पर विशेष सचिव संजय कुमार, बीपीएसएम के अपर मिशन निदेशक मो. राशिद कलीम अंसारी, संयुक्त सचिव मो. आफाक अहमद आदि लोगों की प्रमुख उपस्थिति रही।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

स्वास्थ्य

डियो-परफ्यूम नहीं, ऐसे गायब करें पसीने की बदबू

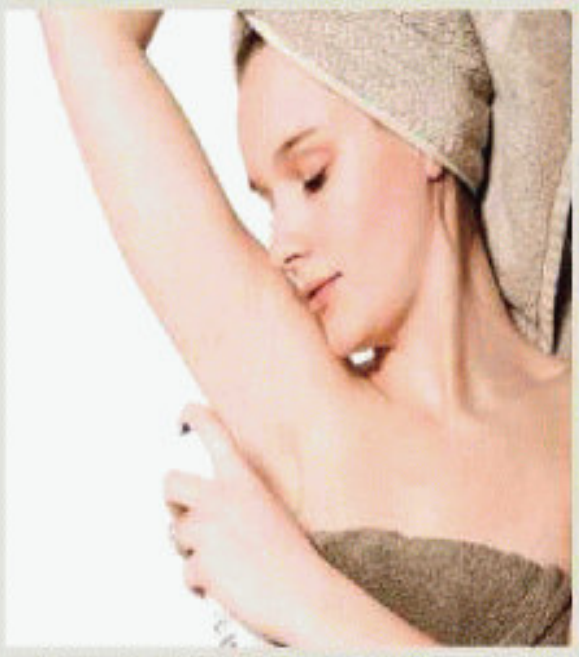

गर्मियां शुरू हो चुकी है। ऐसे में पसीना आना आम बात है लेकिन अंडरआर्म की बदबू हमें गंदगी के साथ शर्मिंदगी का भी एहसास करवाती है। ज्यादातर लोग अंडरआर्म की बदबू को दूर करने के लिए डियो या परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं, जिनका ज्यादा इस्तेमाल नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए डियो या परफ्यूम से पसीने की बदबू दूर करने के बजाए, घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे पसीने की बदबू से छुटकारा मिलना काफी आसान है।

1. अंडरआर्म को रखें साफ

अंडरआर्म के बाल समय-समय पर साफ करते रहें, ताकि इस एरिया में बैक्टीरिया और कीटाणुओं का वास न हो। गर्मी में पसीना आने के कारण नैचुरल फोर्स होता पसीने को सोख लेता है, जिससे उस हिस्से में बैक्टीरिया अपना घर बना लेते हैं।

2. विनेगर

विनेगर पसीने की बदबू को दूर करने में सहायक है। आप एप्पल साइडर या व्हाइट विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसको लगाने से स्किन का पीएच लेवल कम करके त्वचा के पोर्स खोलता है।

3. बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा थोड़ी से पसीने को कम करके शरीर को कई घंटों तक बदबू से दूर रखता है। 1 चम्मच बेकिंग सोडा को ताजे नींबू के रस में मिलाएं और जिस जगह पर ज्यादा पसीना आता है वहां लगाएं।

4. नींबू का रस

नींबू स्किन के पीएच लेवल को भी कम करता है। साथ ही नींबू के रस का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया नहीं पनपते। अपने पसंदीदा परफ्यूम लगाने से पहले, प्रॉब्लम एरिया में नींबू का रस लगाएं।

5. खुद को रखें साफ

गर्मी में अपने आप को पसीने की बदबू से बचाने का यह सबसे अच्छा ऑप्शन है। बदबू बैक्टीरिया के कारण होती है। ऐसे में शरीर की साफ-सफाई बहुत जरूरी है।

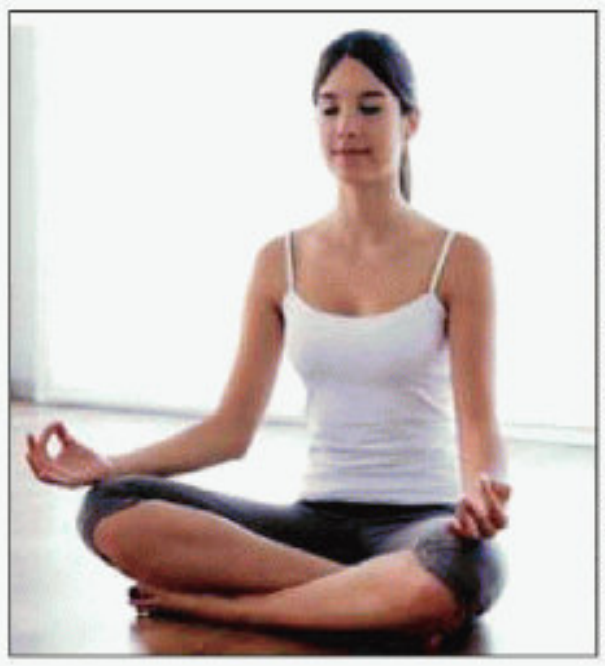

इस एक प्राणायाम से छूमंतर करें पेट की चर्बी

बिजी लाइफस्टाइल के चलते लोग अपने खानपान का ध्यान नहीं रखते, जिससे कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आजकल अधिकतर लोग मोटापे और डायबिटीज की समस्या से परेशान हैं। यदि आप इस समस्या से निजात पाना चाहते हैं तो बस शुरू करें करना यह एक प्राणायाम कपाल- भाति।

इस प्राणायाम से पेट की चर्बी कम होती है। इसके लिए, सबसे पहले पद्मासन या सुखासन जैसे आसन में बैठ जाएं। कमर व गर्दन को सीधा कर लें। इस समय छाती आगे की ओर उभरी रहेगी। हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रख लें। आंखें बंद करके आराम से बैठ जाएं व ध्यान को सांसों पर ले जाएं। पेट ढीली अवस्था में होगा। अब कपालभाति प्रारंभ करें।

इसके लिए नाभि से नीचे के पेट को पीछे की ओर खिंचकर या धक्का दें। इससे पेट की मांसपेशियां संकुचित होंगी। साथ ही, सांस को नाक से बलपूर्वक बाहर की ओर फेंकें, इससे सांस के बाहर निकलने की आवाज भी पैदा होगी। अब अंदर की ओर दबे हुए पेट को ढीला छोड़ दें और सांस को बिना आवाज भीतर जाने दें। सांस भरने के लिए जोर न लगाएं, वह स्वयं ही अंदर जाएगी। फिर से पेट अंदर की ओर दबाते हुए तेजी से सांस बाहर निकालें।

आप इस प्राणायाम को सुबह के समय खाली पेट कर सकते हैं। आप इसे 1 मिनट में कम से कम 60 बार कर सकते हैं। आप इसे 5 मिनट से शुरू करके 15 मिनट तक बढ़ा सकते हैं। यह मोटापा तो कम करता ही है साथ ही डायबिटीज के मरीजों के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसे रूटीन में करने से उनका शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। लेकिन इस प्राणायाम को करते हुए ध्यान दें कि आप इसे बहुत तेजी से न करें और इसको करते हुए आपके कंधे भी न हिलें।

गर्मियों में ऐसे करें बालों की देखभाल, नहीं होगा नुकसान

गर्मियों का मौसम बाहर घूमने-फिरने जाने के लिए मुफीद समय माना जाता है। समुद्र तट पर अठखेलियां करने का यह बेहतर समय होता है, लेकिन तेज धूप से न सिर्फ त्वचा को बचाने की जरूरत है, बल्कि आपके बालों को भी बचाने की जरूरत है, गर्मी के दुष्प्रभावों से बालों को बचाने के लिए बालों में तेल लगाएं और उसे धोएं कम और जूड़ा बनाए रखें। दीजी की हेयर एजुकेटर और काया लिमिटेड की उपाध्यक्ष व प्रमुख संगीता वेलासकर ने गर्मियों में बालों को खूबसूरत बनाए रखने के संबंध में ये सुझाव दिए हैं:-

» गर्मियों में तेज धूप निकलने के दौरान बालों को किसी खास स्टाइल में मोड़ने वाले हीट प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे आपके बालों को नुकसान पहुंच सकता है.

» रात में अपने रूखे, उलझे बालों पर पर लीव-इन कंडीशनर लगाकर तौलिया लपेटकर छोड़ दें. सुबह आपको मुलायम और सुलझे बाल मिलेंगे.

» नारियल, जैतून और एवोकैडो तेल आसानी से बालों में समा जाते हैं. बालों को शैम्पू करके बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक अच्छे से तेल लगाकर मसाज करें और फिर बाल धोकर कंडीशन करें. इससे आपके बाल मुलायम होंगे और बालों को नमी भी मिलेगी.

» गर्मियों के दौरान बालों को गर्मी के साथ ही तेज धूप और पसीने का सामना करना पड़ता है, इसलिए बालों में नमी बरकरार रखना बेहद जरूरी है, ऐसे में हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बालों को सुरक्षित रखने के लिए हीट प्रोटेक्टर हेयर स्प्रे का इस्तेमाल लाभदायी होगा, यह बालों को नुकसान पहुंचने से भी बचाता है.

» बाल ज्यादा धोने से स्कैल्प में मौजूद प्राकृतिक तेल निकल सकते हैं, जिससे बाल रूखे हो सकते हैं और आपको बार-बार बाल धोने की जरूरत महसूस हो सकती है. किसी बीच पर या पूल में जाने के बाद शॉवर चलाकर सामान्य रूप से बाल को धोएं, रेगुलर शैम्पू के बजाय नेचुरल हुई शैम्पू का इस्तेमाल करें.

» हेयर ब्रश के बजाय चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें, गीले बालों में कंघी नहीं करें या इसे जोर से खींचे नहीं, क्योंकि इससे बाल टूटने की संभावना बढ़ जाती है.

वास्तु

निगेटिव एनर्जी को घर से दूर रखती हैं ये मूर्तियां

यदि आपको लगता है कि आपके घर में पॉजिटिव एनर्जी कम है तो आप फेंगशुई की मदद ले सकते हैं. हालांकि फेंगशुई के ऐसे कई गैजेट्स हैं, जो घर में सुख-शांति व सकारात्मक ऊर्जा के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, लेकिन फू डॉग का पेयर इनसे थोड़ा अलग है.

यह शेर की आकृति में आता है और देखने में भी आकर्षक लगता है. आप अपने घर में इसे जगह देकर पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ा सकते हैं.

- ताइपेई के नेशनल पैलेस म्यूजियम और अन्य दूसरे स्मारकों के बाहर एक फू डॉग की विशाल प्रतिमा लगी है, जिसे चीनी परंपरा का निर्वाहक माना जाता है. माना जाता है कि ये प्रतिमाएं नकारात्मक ऊर्जा से आपके घर को दूर रखती हैं. इसे हमेशा जोड़े में ही लगाया जाना चाहिए.

-यदि मेटल की संभव न हो तो आप इसे लकड़ी या पत्थर की भी बनवा सकते हैं. इसका आकार भी आप अपनी सुविधा के अनुसार रख सकते हैं इनमें बायां और दायां पैर अलग होता है.

-इसे फू डॉग के अलावा गार्डियन लायन भी कहा जाता है और कमरे के बाहर की ओर लगाया जाता है.

- आप इसे अपने बिजनेस प्लेस के दरवाजों पर भी लगवा सकते हैं. ऐसा करने से आपके बिजनेस में बढ़ोतरी होती है.

-फू डॉग के अलावा आप घर में सकारात्मक ऊर्जा के लिए ड्रैगन, गोल्ड फिश, तीन पैरों वाला मेंढक, चमगादड़, सारस, कछुए और हाथी की मूर्तियां भी लगवा सकते हैं. सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले जानवर ड्रैगन और फू-डॉग हैं. जहां ड्रैगन को घर या ऑफिस के भीतर जगह दी जाती है, वहीं फू-डॉग को दरवाजे पर बाहर की ओर प्रहरी के रूप में लगाया जाता है.

सौंदर्य

होममेड एलोवेरा साबुन से पाएं गजब का निखार

एलोवेरा का जूस हो या जैल यह सेहत और खूबसूरती निखारने के लिए बहुत फायदेमंद है। इसे चेहरे और बालों दोनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे त्वचा का रूखापन, मुंहासे और दाग-धब्बे दूर होते हैं। बालों की जड़ों में भी एलोवेरा जैल लगाने से यह घने और मजबूत होते हैं। कई लोग घरों में भी एलोवेरा का पौधा लगाते हैं। इसके पौधे से निकले जैल का इस्तेमाल करके घर पर ही एलोवेरा साबुन बना सकते हैं। आइए जानिए घर पर इसे कैसे बनाया जाए।

सामग्री -

एलोवेरा पल्प - 110 ग्राम

कास्टिक सोडा - 110 मिली

जैतून का तेल - 750 मिली

पानी - 250 मिली

खुशबू वाला तेल - आवश्यकता अनुसार

साबुन बनाने की विधि -

» पानी को उबाल कर इसे एक प्लास्टिक के कंटेनर में डालें।

» इस कंटेनर में कास्टिक सोडा मिलाकर अच्छे से हिलाएं और 1 घंटे के लिए ठंडा होने के लिए रख दें।

» एलोवेरा पल्प को अच्छे से मैश करें और दूसरी तरफ जैतून के तेल को 5 मिनट तक गर्म करने के लिए रख दें।

» पानी और कास्टिक सोडा का मिश्रण जब ठंडा हो जाए तो उसमें जैतून का तेल डालें और गाढ़ा होने तक इसे एक ही दिशा में हिलाते रहें।

» अब इस मिश्रण में एलोवेरा जैल मिलाएं और इसके सेट होने पर खुशबू के लिए लैवेंडर या गुलाब की सुगंध का तेल डाल सकते हैं।

» जब सारा मिश्रण एक समान हो जाए तो इसे सांचे में डालें और जमने के लिए खुली हवा में रख दें।

» एक दिन के बाद जब यह ठोस हो जाए तो इसे साबुन के आकार में काट लें लेकिन इसे 15-20 दिन के बाद ही इस्तेमाल करें जब तक यह अच्छे से न बन जाए।

30 उम्र पार कर ली है तो इन 5 बीमारियों के संकेतों को पहचानें

20 से 28 वर्ष की उम्र जोश व उत्साह से भरी होती है, लेकिन 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते सेहत के प्रति लंबे वक्त से चल रही अनदेखी के कारण कई प्रकार की बीमारियां पनपने लगती हैं। गाइनेकोलॉजिस्ट और ऑब्स्टेट्रिशियन डॉ. ज्योति बाली बताती हैं कि 30 की उम्र पार करते ही महिलाओं में अनियमित पीरियड्स, पीसीओडी, थायरॉइड जैसी बीमारियां हमला करने लगती हैं। इसके अलावा कैल्शियम की कमी भी महिलाओं में इस उम्र के बाद आमतौर पर देखने को मिलती है। 30 के बाद और कौन-कौन सी बीमारियां महिलाओं को परेशान करती हैं, आइए जानें:

बच कर रहें पीसीओडी से

पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के कारण शरीर में तेजी से हारमोन से जुड़े बदलाव होते हैं। इसके कारण अंडे पैदा करने और गर्भधारण के लिए गर्भाशय को तैयार करने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। यह समस्या देश में प्रजनन आयु वाली करीब 10 प्रतिशत महिलाओं में पाई जाती है। पीसीओडी में ओवरी (अंडाशय) में थैलीनुमा कोश उभर आते हैं, जिसमें एक तरल पदार्थ भरा होता है। पीसीओडी से ग्रस्त मरीज में हार्मोन का स्तर असामान्य हो जाता है। इस बीमारी से पीड़ित महिलाओं के शरीर में अत्यधिक मात्रा में इंसुलिन भी बनने लगता है, जिसकी वजह से उनके शरीर में पुरुष हार्मोन एंड्रोजन का उत्पादन बढ़ने लगता है। उनके चेहरे पर पुरुषों की तरह बाल आने लगते हैं।

स्तन की करें नियमित जांच

30 साल की आयु के बाद महिलाओं के स्तन में अमूमन गांठें बन जाती हैं। जरूरी नहीं है कि स्तन में बनने वाली हर गांठ कैंसर की ओर ही इशारा कर रही हो। पर, यह कैंसर का शुरुआती संकेत जरूर है। भारत में हर 28 में एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा होता है। इस बीमारी से बचने के लिए नियमित रूप से अपने स्तन की जांच करें। सही समय पर पता लगने से इस बीमारी का इलाज संभव है।

एंडोमेट्रियोसिस

एंडोमेट्रियोसिस बीमारी में महिला के गर्भाशय यानी यूट्रस की बाहरी परत बनाने वाला ऊतक यानी टिशू असामान्य रूप से बढ़कर शरीर के अन्य अंगों जैसे अंडाशय, फेलोपियन ट्यूब और अन्य आंतरिक अंगों तक फैल जाता है। इस बीमारी से पीड़ित महिला को जब पीरियड होता है तो ये टिश्यू टूट जाते और इनमें घाव हो जाता है परिणामस्वरूप पीरियड के वक्त उन्हें असहनीय दर्द होता है। यह परेशानी उन्हें हर माह झेलनी पड़ती है। इस बीमारी के कारण गर्भधारण की क्षमता भी कई बार प्रभावित हो जाती है। जांच, हार्मोन ट्रीटमेंट और सर्जरी के माध्यम से इस बीमारी का इलाज किया जाता है।

थाइरॉयड प्रभावित करता है वजन

थाइरॉयड एक बहुत ही महत्वपूर्ण ग्लैंड होता है, जो तितली के आकार का होता है। यह गले के सामने और श्वास नली के ऊपर एवं स्वर यंत्र के दोनों तरफ दो भागों में बंटा होता है। थाइरॉयड ग्रंथि शरीर में हार्मोन का स्राव करती है और मेटाबॉलिज्म को भी नियंत्रित करती है। हम जो भी खाना खाते हैं, उसको यह थाइरॉयड ग्रंथि शरीर के लिए उपयोगी ऊर्जा में बदलती है। थाइरॉयड ग्रंथि से निकलने वाले हार्मोन शरीर की लगभग सभी क्रियाओं पर अपना प्रभाव डालते हैं। ब्लड टेस्ट से थाइरॉयड से जुड़ी परेशानी का पता लगाया जाता है।

सर्वाइकल कैंसर है एक बड़ा खतरा

पूरी दुनिया में 10 में से एक महिला सर्वाइकल कैंसर की शिकार होती है। भारत में जागरूकता और इलाज की कमी की वजह से यह बीमारी जानलेवा साबित हो रही है। इसे बच्चादानी, गर्भाशय या फिर यूट्रस सर्विक्स कैंसर भी कहा जाता है। सर्वाइकल कैंसर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के कारण होता है। इसके अधिकतर मामले 40 साल या इससे ज्यादा उम्र की महिलाओं में देखे गए हैं। पर, ऐसा भी नहीं है कि 40 से कम उम्र की महिलाओं को यह बीमारी अपना शिकार नहीं बनाती। पैप स्मीयर टेस्ट से समय रहते इस बीमारी के बारे में पता लगाया जा सकता है।

बच्चे की नजर तेज करने के लिए अपनाएं ये तरीके!

बदलती लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से आंखों की नजर कमजोर होना एक आम समस्या बनती जा रही है। बड़े तो बड़े, आज छोटी उम्र के बच्चों को भी चश्मा लग जाता है क्योंकि ज्यादातर बच्चे अपना समय कंप्यूटर, विडियो गेम, मोबाइल फोन में निकाल देते हैं। इसी वजह से बच्चों की नजरें उम्र से पहले ही कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के खान-पान और उनकी आदतों में सुधार करना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनको आजमाने से बच्चे की आंखों की रोशनी होगी तेज।

1. गाजर का जूस

कमजोर आंखों के लिए गाजर का जूस बेस्ट है क्योंकि इसमें विटामिन ए होता है, जो आंखों के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए, रोजाना अपने बच्चे को एक गिलास गाजर का जूस पिलाएं।

2. मक्खन

एक कप गर्म दूध में 1/4 छोटा चम्मच मक्खन, आधा चम्मच मुलेठी पाउडर और 1 चम्मच शहद को अच्छी तरह मिलाएं। बच्चों को रोज रात को सोने से पहले पिलाएं। इससे आंखों की रोशनी तेज होगी।

3. इलायची

दूध को उबालकर इसमें 2 छोटी इलायची पीसकर डाल दें। रात को बच्चे को पीने के लिए दें। इससे आंखें स्वस्थ और नजर तेज रहेंगी।

4. हथेली

बच्चों को हाथों की हथेली आपस में रगड़ने के लिए कहें जब तक वे गर्म न हो जाएं। फिर उन हथेलियों से आंखों को ढकने के लिए कहें। इससे आंखों की मांसपेशियों का आराम मिलेगा और नजर तेज होगी।

5. आहार

बच्चे के आहार में विटामिन ए से भरपूर चीजें को शामिल करें। जैसे कि पपीता, संतरा, पालक, धनिया, आलू, और मांसाहारी भोजन अण्डा आदि। इससे उनके स्वास्थ्य और आंखों दोनों को फायदा मिलेगा।

रेसिपी

घर में ही आसानी से बनाएं काजू-पिस्ता

» फुल क्रीम दूध

» पाउडर चीनी - 70 ग्राम

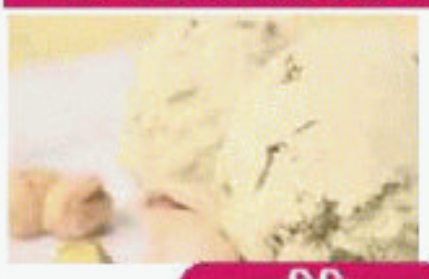

» काजू - 15

» छोटी इलायची - 3

» पिस्ता - 14

विधि

ये आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले दूध को गर्म करें। दूध को जब तक गर्म करें जब तक कि यह गाढ़ा न हो जाए। अब इसमें पिसे हुए अखरोट, काजू और पिस्ता डाल दें। इसके बाद इलायची और चीनी को इसमें डालकर इस मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं।

इसके बाद जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए तो इसे ठंडा होने दें और इसके बाद आइसक्रीम कंटेनर में रखकर फ्रीजर में रख दें। कटे हुए काजू और पिस्ता के साथ सर्व करें

मॉर्निंग ब्रेकफास्ट में बनाएं ओट्स उपमा

ओट्स 1 कप

मटर आधा कप

बीन्स आधा कप

पत्तागोभी आधा कप (कद्दूकस की हुई)

प्याज 2 (बारीक कटा)

अदरक 1 इंच (बारीक कटा)

हरी मिर्च 4-5 (बारीक कटी)

चना दाल 2 चम्मच

सरसों का दाना 2 छोटा चम्मच

जीरा 2 छोटा चम्मच

ऑलिव ऑयल 2 चम्मच

नमक चुटकी भर

पानी 2 कप

धनिया पत्ता मुट्ठी भर

करी पत्ता थोड़ा सा

विधि

एक पैन में मध्यम आंच पर तेल गर्म करें और उसमें सरसों के दाने, जीरा और चना दाल डालकर तब तक फ्राइ करें जब तक सरसों फूटने न लगे।

» अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

» हरी मिर्च और अदरक डालकर 4 से 5 मिनट तक पकाएं।

» कटी हुई सारी सब्जियां और पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं।

» अब इसमें ओट्स और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और पैन को कवर लगाकर ढक दें। गैस को धीमी आंच पर कर दें और ओट्स को पकने दें।

» गर्मा गर्म ओट्स उपमा को हरी चटनी के साथ सर्व करें।

कलिंग समाचार

शनिवार 01 अगस्त 2026

दलित क्या पानी पीने के हकदार नहीं

देश में धार्मिक और जातीय भेदभाव के कारण समाज में जो दुश्मनी का माहौल बन गया हैए अब उसमें इसी तरह इंतिकाम यानी बदला लेने की घटनाएं हो रही हैं। तमिलनाडु के पुडुकोट्टई जिले के वेंगईवयाल गांव में एक झकझोरने वाला मामला सामने आया है। इस गांव के बच्चे पिछले कुछ दिनों से बीमार पड़ रहे थे। डाक्टर ने बीमारी का पता लगाने के लिए पानी की जांच करने कहा। गांव में जिस पानी की टंकी से आपूर्ति होती थीए उस पर चढ़कर देखा गया तो पानी पीला नजर आया। जांच के बाद पता चला कि लगभग 10 हजार लीटर वाली इस पानी टंकी में किसी ने बड़ी मात्रा में मानव मल डाल दियाए ताकि पानी दूषित हो जाए। यह अमानवीय कृत्य केवल इसलिए हुआए क्योंकि वेंगईवयाल गांव आज भी दलित विरोधी मानसिकता से जकड़ा हुआ है। एक और चिंताजनक और हैरान करने वाली बात ये है कि यह खबर देते हुए कुछ लोगों ने अनुसूचित या दलित समुदाय के लिए बनी पानी टंकी लिखा है। हमने प्रेमचंद की कहानी ठाकुर का कुआं तो पढ़ी हैए लेकिन आजादी के अमृतकाल में भी अगर दलितों की पानी टंकी पढ़ना पड़ेए तो ये समझना कठिन नहीं है कि आजादी का अमृत केवल सवर्ण.संपन्न तबकों के लिए ही है। गरीब पहले भी गुलाम थेए अब भी उनके हालात गुलामों की तरह ही बदतर हैं। जिस गांव में दलितों के पानी पीने पर भी साजिश रची गईए वहां इस बात का भी खुलासा हुआ है कि यहां जातिगत भेदभाव हर जगह है। गांव में चाय की दुकान पर दलितों के लिए अलग गिलास रखे हुए हैं। दलितों का ये भी कहना है कि उन्हें तीन पीढ़ियों से मंदिर के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं है। पानी टंकी को मानव मल से दूषित करने की शिकायत के बाद जब यहां की जिलाधिकारी कविता रामू और पुलिस अधीक्षक वंदिता पांडे गांव में पहुंचीं तब लोगों ने इन सारे भेदभाव की शिकायत की। बताया जा रहा है कि जिस चाय दुकान में दलितों के लिए अलग गिलास रखने का रिवाज थाए उसके मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। दलितों को मंदिर में प्रवेश दिलवाने की पहल भी जिलाधिकारी ने की। उन्होंने कहा कि मंदिर के दरवाजे सभी के लिए खुले होने चाहिए और सभी को यहां दर्शन की अनुमति दी जानी चाहिए। भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए यहां कैमरे लगाए जाएं। जिलाधिकारी दलित समुदाय के लोगों को मंदिर के अंदर ले गईं। लेकिन खबरों के मुताबिक जिस समय जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक वहां पहुंचीं तो वहां पर पूजा चल रही थीए उसी दौरान कथित रूप से ऊंची जाति की एक महिला ने अपने शरीर में देवता के आने की बात कही और कहा कि नीची जाति के लोगों को मंदिर में प्रवेश नहीं करना चाहिए। अगर यह बात सही है तो फिर यह समझ लेना चाहिए कि जिलाधिकारी की इस स्वागतयोग्य पहल का कोई भविष्य नहीं है। दरअसल जाति की बेड़ियों ने समाज को इस तरह बांधा हुआ है कि उसे टूटने में सदियां लग जाएंगी। वैसे यह विचारणीय है कि वेंगईवयाल गांव में अगर पानी टंकी का दुखद प्रकरण घटित नहीं होताए तो क्या पुडुकोट्टई जिला प्रशासन को दलितों के साथ हो रहे भेदभाव की खबर लग पाती। अगर तीन पीढ़ियों से दलितों को मंदिर प्रवेश नहीं मिला थाए तो यह बात पहले से प्रशासन के संज्ञान में क्यों नहीं थी। जो भेदभाव जिले के एक गांव में हुआ हैए क्या अन्य गांवों.शहरों का भी वही हाल नहीं होगा। दुखद बात ये है कि दलितों के साथ ये अन्याय उस तमिलनाडु में हुआए जो ई वी रामास्वामी पेरियार की जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों रहीं। पेरियार ने पूरी जिंदगी अंधविश्वासए अतार्किकताए रूढ़िवादी विचारों और ब्राह्मणवाद की मुखालफ्त की। उन्हें हिंदू धर्म के खिलाफबताया जाता हैए लेकिन असल में वे सभी संगठित धर्मों के खिलाफथे। पेरियार हर तरह के भेदभाव के खिलाफथेए चाहे वह जाति या धर्म को लेकर हो या फिर लैंगिक आधार पर। इसलिए उन्होंने बाल विवाह के उन्मूलनए विधवा महिलाओं की दोबारा शादी के अधिकारए पार्टनर चुनने या छोड़नेए शादी को इसमें निहित पवित्रता की जगह पार्टनरशिप के रूप में लेनेए आदि के लिए अभियान चलाया था।

भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए नौसेना के विस्तार की आवश्यकता

नन्तु बनर्जी

भारतीय नौसेना की वर्तमान बेड़े की ताकत उत्तर कोरियाए कोलंबियाए मिस्रए थाईलैंड और ईरान की तुलना में भी कम है। 2020 तकए भारतीय नौसेना की वास्तविक बेड़े की ताकत की तुलना में पीएलएएन के बेड़े का आकार ;विमान वाहक और पनडुब्बियों सहित 777 युद्धपोतद्ध काफी बड़ा था। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएएन के कुल बेड़े का आकार श्85 गश्ती लड़ाकों और शिल्प को शामिल नहीं करता है जो एंटी.शिप क्रूज मिसाइल ;एएससीएमद्ध ले जाते हैं।श

भारतीय नौसेना को मजबूत करने के लिए भारत को आने वाले वर्षों में तेजी से पूंजीगत बजट को बढ़ाना होगाए अपने बेड़े को विस्तारित करना होगाए और आधुनिकीकरण की गति तेज करनी होगी ताकि आकार में दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना शक्तिए चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी ;पीएलएएनद्ध से हिंद महासागर तथा प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते खतरों का मुकाबला किया जा सके। सरकार को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि पीएलएएन भारतीय नौसेना से चार गुना बड़ा और मजबूत है। यह सच है कि इस वित्तीय वर्ष में पहली बार भारतीय नौसेना का पूंजीगत व्यय लक्ष्य 45 प्रतिशत तक बढ़ाया गया हैए परन्तु आगे भी इसे बढ़ाने की आवश्यकता है।

पिछले साल के 21000 करोड़ की तुलना में 2022.23 के लिए अकेले जहाजों और उपकरणों के लिए बजट आबंटन 35ए452 करोड़ रुपये था। कुल पूंजी परिव्यय का 75 प्रतिशत इसके बेड़े के लिए निर्धारित किया गया हैए जिसमें युद्धपोतए पनडुब्बी और अन्य उपकरण शामिल हैं। देश के नौसैनिक बल को 2023.24 और उसके बाद भी इसी तरह के बजट की जरूरत है। भारतीय नौसेना को इस क्षेत्र में बढ़ते पीएलएएन के खतरे का सामना करने के लिए अपनी क्षमता को मजबूती से बढ़ाने की आवश्यकता हैए विशेष रूप से भारत के तीन महासागर साझा करने वाले पड़ोसियों–बांग्लादेशए श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ उसके बढ़ते सैन्य गठबंधन के संदर्भ में।

दुर्भाग्य सेए भारतीय नौसेना को वह प्राथमिकता नहीं मिलीए जिसकी वह पहले के वर्षों में सरकार से हकदार थी। भारतीय नौसेना की वर्तमान बेड़े की ताकत उत्तर कोरियाए कोलंबियाए मिस्रए थाईलैंड और ईरान की तुलना में भी कम है।

2020 तकए भारतीय नौसेना की वास्तविक बेड़े की ताकत की तुलना में पीएलएएन के बेड़े का आकार ;विमान वाहक और पनडुब्बियों सहित 777 युद्धपोतद्ध काफी बड़ा था। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएएन के कुल बेड़े का आकार 85 गश्ती लड़ाकों और शिल्प को शामिल नहीं करता है जो एंटी.शिप क्रूज मिसाइल ;एएससीएमद्ध ले जाते हैं।श

आने वाले वित्तीय वर्षों में भारतीय नौसेना के लिए एक ब पर बजट आबंटन मौजूदा जहाजों और पनडुब्बियों को आधुनिक बनाने में मदद करेगा और इसके बेड़े के आकार को भी बढ़ायेगा क्योंकि चीन अपनी नौसैनिक पहुंच को और बढ़ा देगा। अमेरिकाए जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी अत्याधुनिक नौसैनिक शक्तियों के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी–चतुर्भुज सुरक्षा संवाद ;क्वाडद्ध के सभी सदस्य.बहुत कम मूल्य की होगी यदि भारतीय नौसेना स्वयं पर्याप्त मजबूत नहीं है। हालांकि अमेरिकी बेड़े का आकार ;490 जहाजद्ध चीन की तुलना में छोटा हैए यह घातक शक्ति में पीएलएएन की तुलना में काफी मजबूत है। वास्तव मेंए अमेरिकी नौसेनाए मारक क्षमता के मामले मेंए विमान वाहक और पनडुब्बियों की बेजोड़ ताकत के साथ सबसे आधुनिक और बहुमुखी मानी जाती है।

वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न वारशिप्स 2023 अमेरिकी नौसेना को दुनिया की सबसे मजबूत नौसैनिक शक्ति मानती हैए इसके बाद पीएलएएन, रूसी नौसेना, इंडोनेशियाई नौसेना, कोरिया गणराज्य की नौसेना, जापान समुद्री आत्मरक्षा बल और भारतीय नौसेना का स्थान है। अमेरिकी नौसेना के पास 11 विमान वाहकए 10 हेलीकॉप्टर वाहकए 68 पनडुब्बी और 92 विध्वंसक हैं। केवल पीएलएएन के पास अधिक पनडुब्बियां ;79द्ध हैं।

रूस में 64 पनडुब्बियां हैं। चीन के 50 और रूस के 15 के मुकाबले अमेरिका के पास 92 विध्वंसक हैं।

हालांकि ये अनुमान हमेशा अन्य वैश्विक श्नेवल वॉचश् रिपोर्ट से मेल नहीं खाते। इसके अलावाए श्सबसे बड़े श् नौसैनिक बलों का मतलब श्सबसे शक्तिशालीश् बलों से नहीं है।

विभिन्न श्नौसेना निगरानीश् एजेंसियां इस बारे में विपरीत दिशानिर्देश देती हैं कि वे किस प्रकार के जहाज को किसी देश की नौसेना का हिस्सा मानते हैं। उदाहरण के लिएए चीन की नौसेना में इससे100 से अधिक होवरक्रा ट शामिल हैंए जिन्हें नौसैनिक जहाज माना भी जा सकता है और नहीं भी। आधुनिक नौसैनिक बल अक्सर न केवल सक्रिय ड्यूटी पर कमीशन किये गये जहाजों को शामिल करते हैंए बल्कि गैर.कमीशन वाले जहाजोंए सहायक जहाजोंए आरक्षित बेड़े और यहां तक कि निर्माणाधीन जहाजों को भी शामिल करते हैं। ऐसी गणनाओं में हो सकता है किसी देश की नौसेना के जहाजों की सं या पर प्रभाव का अनुमान है।

आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसारए भारतीय नौसेना के पास 150 युद्धपोत और पनडुब्बियांए चार ईंधन टैंकरए एक जवाबी पोतए 24 जलपोतए पनडुब्बीरोधी युद्धक उथले जल जहाज, 17 हमलावर पनडुब्बियांए एक बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बीए 14 फ्रिगेट, 10 विध्वंसक, तथा 300 विमान हैं। आठ लैंडिंग शिप टैंकए एक उभयचर परिवहन डॉकए दो विमान वाहकए विभिन्न छोटी पेट्रोल नौकाएंए पूरक जहाज भी हैं। भारतीय नौसेना के पास लगभग 75000 रिजर्व और 67000 से अधिक सक्रिय कर्मी हैं। इसके पास अंडमान और निकोबार द्वीप समूहए पश्चिम बंगालए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्रए गोवाए कर्नाटक और गुजरात में पूरी तरह से सुसज्जित और प्रशिक्षण आधार हैं।

इन आधारों से गोला.बारूद समर्थनए रसद और रखरखाव सहायताए समुद्री कमांडो आधारए वायु स्टेशनए आगे संचालन आधारए पनडुब्बी और मिसाइल नाव आधारए मिसाइल रक्षा और तटीय रक्षा प्रदान करने वाले हैं। भारत की नौसेना जल्द ही एक मजबूत वैश्विक नौसैनिक शक्ति बनने की आकांक्षा रखती है।

नेशनल इन्टरेस्ट डॉट ऑर्ग पर सैन्य विश्लेषकों की 2021 की एक रिपोर्ट में 2030 में दुनिया की पांच शीर्ष नौसेनाओं का अनुमान लगाया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इसने भारतीय नौसेना को रूस से आगे चौथे स्थान पर रखा। यह रिपोर्ट अगले आठ वर्षों में भारतीय नौसेना के विस्तार के बारे में अति.आशावादी है। अमेरिकी नौसेना नंबर 1 हैए उसके बाद ब्रिटिश नौसेना और चीनी नौसेना है। विश्लेषकों को उ मीद है कि टन भार और तकनीकी प्रगति के बेजोड़ संयोजन के कारण अमेरिका प्रमुख वैश्विक नौसैनिक शक्ति बना रहेगा।

अमेरिकी नौसेना के पास न केवल बहुत से जहाज़ हैंए बल्कि इसके पास कई विशालए अत्याधुनिक जहाज़ भी हैं। यूके के जहाजों की कुल सं या में कमी आने की उ मीद है। दो नये विमान वाहकों को जोड़ने और इसके पनडुब्बी बेड़े में वृद्धि से ब्रिटेन को नंबर 2 समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित होना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपनी नौसैनिक उपस्थिति का विस्तार कर रहा है और उसके पास 2030 तक तीन ऑपरेटिंग विमान वाहक होने चाहिएए जो सामूहिक रूप से 110.120 विमानों को तैनात करने में सक्षम हों। आधिकारिक रिपोर्टों से पता चलता है कि भारतीय नौसेना के पास विभिन्न प्रकार के 45 पोत निर्माणाधीन हैं।

इनमें विध्वंसक, फ्रिगेट, जलपोत, पारंपरिक और परमाणु.संचालित पनडुब्बियां शामिल हैं। योजना 2050 तक 200 युद्धपोतों और 500 विमानों की एक मजबूत नौसेना बनाने की है। चीन की आक्रामक मुद्रा और भारत.प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए समय सीमा काफी लंबी प्रतीत होती है। सरकार को वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने विस्तार कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए भारतीय नौसेना को वार्षिक पूंजीगत व्यय निधि सहायता जारी रखनी चाहिए।

तू नया है तो दिखा सुबह नई शाम नई

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

इस हिंसा को उकसाते हुए सभी लड़कियों के साथ लड़कों की भी सुरक्षा भूल रहे हैं या इन अपराधों से आंखें मूंदे हुए हैं। बलात्कार के चालीस फीसदी केस वास्तव में बलात्कार के नहीं होते। ये वे मामले हैं जिनमें परिवार उन पुरुषों को बलात्कार के इल्ज़ाम में मुकदमे दायर करता है जिनसे परिवार की बेटियां या तो शादी कर चुकी होती हैं या करना चाहती हैं। परिवार हर कीमत पर इन शादियों को निरस्त कर लड़की को बरामद करना चाहते हैं। क्या यह महज संयोग है कि भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी दो स्त्रियां जिनमें एक सांसद और दूसरी मंत्री हैंए एक ही समय में कहती हैं कि श्आत्मरक्षा के लिए हथियार रखो और अपने घर में रखे सब्जी काटने वाले चाकू की धार इतनी तेज़ करा लो ताकि वक्त आने पर दुश्मन के सर काट सकोघ्श् किसके लिए करने हैं ये हथियार धारदारघ् क्या किसी भी बंदूक की गोली या हथियार पर लिखा होता है कि वह किसकी जान लेगीघ् क्या यह तय है कि ये हथियार चुन.चुनकर निशाना साधेंगे और समाज में हिंसा के बाद फिर संस्कार पर लौट आएगाघ् क्या ऐसे संस्कारित होंगी देश की लड़कियां जिनकी बात सांसद महोदया करती हैंघ् आखिर क्यों ज़ि मेदार पदों पर बैठे इन लोगों को संसदए सरकार और देश की व्यवस्था से कोई उ मीद नहीं है जो ये भीड़ को उकसा.उकसाकर हिंसक हो जाने के लिए कह रहे हैंघ्

देश के कानून में ऐसी नफ़रती और घृणा फैलाने वाली भाषा के लिए कोई जगह नहीं हैए लेकिन फिर भी शासन.प्रशासन सब मूक बने हुए हैं और जो कोई एफआईआर कराना भी चाहता है तो क्षेत्र का एसपी कहता है कि आपको थाने आना पड़ेगा। यानी सबकी कोशिश है कि ऐसी घृणित बयानबाज़ी करने वालों को पूरा संरक्षण देना हैए कवच प्रदान करना है। क्या यह संरक्षण तब भी मिलेगा जब संसद किसी अलग दल और अलग पार्टी का होघ् शायद नहीं! ऐसे वक्त में तमाम व्यवस्था सही दिशा में काम करने लगती है। अपने लिए मनमानी और दूसरों के लिए क़ानूनी। क्या ऐसे ही दृश्यों का साक्षी नहीं हो रहा है देश इन दिनोंघ् भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर कर्नाटक के शिमोगा में और मध्यप्रदेश की पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर भोपाल में कह जाती हैं कि श्आत्मरक्षा के लिए हथियार रखो।श

सिलसिला चल पड़ा है और अब मध्यप्रदेश के एक और भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी यही घोषणा बुलंद कर दी है। प्रज्ञा ठाकुर तो पहले भी अपने बयानों से प्रधानमंत्री मोदी को दुखी कर चुकी हैं। प्रज्ञा पहले महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोड़से को देशभक्त बता चुकी हैं। तब प्रधानमंत्री ने कहा था कि श्भले ही नाथूराम गोड़से को देशभक्त बताने की बात पर प्रज्ञा माफी मांग चुकी हो लेकिन मैं उन्हें कभी हृदय से क्षमा नहीं कर पाऊंगा।श् अब प्रज्ञा हैं कि दुख बढ़ाती ही चली जा रही हैं। मुंबई बम विस्फोट में शहीद महाराष्ट्र के एटीएस चीफ हेमंत करकरे के लिए प्रज्ञा कहती हैं. श्वे अपने शाप की वजह से मरे।श् करकरे चाहते तो मुंबई पर आतंकी हमले के वक्त नीचे आर्डर पास कर सकते थे लेकिन उन्होंने मोर्चा खुद संभाला।

अपेक्षाकृत कमज़ोर बुलेटप्रूफ हेलमेट जो उनका नहीं था और रायफल के साथ मैदान में कूद पड़े। सीने पर गोलियां खाईं। ये तथ्य उस समय की तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में हैं। वही हेमंत करकरे मालेगांव बम विस्फोट कांड की भी जांच कर रहे थे जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक आरोपी थीं। सवाल यही है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुखर विरोध करने वाली पार्टी यहां जान की बाज़ी लगा देने वालों के लिए पूर्वाग्रही कैसे हो जाती हैय और फिर यह कैसा दर्द है जो उन्हीं प्रज्ञा को 2019 में भोपाल से लोकसभा का टिकट दिलवा देता हैए उन्हें सांसद बना देता है। आप कहेंगे कि सांसद तो जनता ने बनाया। उसने जिताया बेशक जनता जो वोट देती हैए ज़ि मेदार है। यहां इस क्रोनोलॉजी पर भी निगाह डालने की ज़रूरत है कि गुजरात में जो बिलकिस बानो दंगों के दौरान बलात्कार और परिजनों की हत्या का शिकार होती हैं उसके सजाया ता अपराधी रिहा कर दिए जाते हैं और जो सांसद कहती हैं कि श्अपनी बेटियों को सुरक्षित रखोए अपनी बेटियों को संस्कारित करोए अपने घर में हथियार रखोए कुछ नहीं तो सब्जी काटने वाला चाकू ज़रा तेज रखो! स्पष्ट बोल रही हूं कि हमारे घरों में भी सब्ज़ी काटने के लिए जो चाकू है उसे तेज़ रखो। जो सब्जी अच्छे से कटेगी तो दुश्मनों के सर भी अच्छे से कटेंगे।

उन्होंने हमारे कार्यकर्ताओं को चाकू से गोदा हैण्ण्।श् सरेआम हिंसा के लिए उकसाने वाले इस वक्तव्य में एक और बात अन्तर्निहित है कि अगर लड़कियां कभी अपने मन की करें तो उन्हें रोकने में आप हिंसा करने में ज़रा भी संकोच ना करें। इस तरह के धारदार चाकू दुश्मनों पर कितने चल रहे हैं उसका तो आंकड़ा फ़िलहाल नहीं है लेकिन प्रेम करने वाली लड़कियां मारी जा रही हैंए काटी जा रही हैं और इतने संताप में हैं कि खुदकुशी भी कर रही हैं। हाल ही में एक अभिनेत्री की आत्महत्या की वजह उसका वह रिश्ता था जिसमें श्रद्धा और आफ़ताब के प्रकरण का डर बैठने के बाद उनके रिश्ते में तनाव आ गया था। ऐसे उकसाने वाले भाषणों से परिवार और समाज में लड़कियों का जीना मुश्किल हो रहा है।

ऑनर किलिंग के नाम पर परिवार अपने बच्चों के साथ हिंसा से भी नहीं चूक रहे। व्यवस्था न केवल चुप रहकर सब देख रही है बल्कि बीच.बीच में ताली भी पीट देती है। यह हरकत किसी के दर्द में ढोल बजाने से भी बुरी मालूम होती है। बाईस साल की निरुपमा पत्रकार थी और प्रियभान्शु रंजन नाम के हमपेशा लड़के को हमसफ़र बनाना चाहती थी। लड़की ब्राह्मण और लड़का कायस्थ। दोनों दिल्ली में थे। छोटे शहरों से झोला उठाकर चलने वाले लड़के.लड़कों में माता.पिता तमाम वाब भर देते हैं लेकिन उसका अहम हिस्सा अपने कब्ज़े में रखना चाहते हैं। खूब पढ़ोए अच्छा जॉब चुनोए ज्यादा कमाओ लेकिन जीवनसाथीघ् वह मत चुनो। बेटी को खुला आसमान देने वाले पढ़े.लिखे अभिभावक भी यहां पहुंचकर उनके पंख कतरना चाहते हैं। झुमरीतलैयाए बिहार की निरुपमा के साथ भी यही हुआ।

पुलिस ने परिजनों को गिर तार करते हुए आरोप लगाया कि उसने खुदकुशी नहीं कीए उसकी गला दबाकर हत्या की गयी थी। वह दस ह ते के गर्भ से थी। दरअसलए हर मध्यमवर्गीय भारतीय परिवार बच्चों की शादी के ज़रिये यह साबित करते हैं कि हमारे बच्चों पर हमारी कितनी नकेल है। अपने बच्चों को जी.जान से पालने वाले आखिर इतने कटु और स त क्यों हो जाते हैंघ् इसलिए क्योंकि नेता और इनकी व्यवस्था इन बच्चों की रक्षा करने का आश्वासन नहीं देतीघ् सब जानते हैं कि विशेष विवाह अधिनियम कमज़ोर किया जा रहा है।

इस हिंसा को उकसाते हुए सभी लड़कियों के साथ लड़कों की भी सुरक्षा भूल रहे हैं या इन अपराधों से आंखें मूंदे हुए हैं। बलात्कार के चालीस फीसदी केस वास्तव में बलात्कार के नहीं होते। ये वे मामले हैं जिनमें परिवार उन पुरुषों को बलात्कार के इल्ज़ाम में मुकदमे दायर करता है जिनसे परिवार की बेटियां या तो शादी कर चुकी होती हैं या करना चाहती हैं। परिवार हर कीमत पर इन शादियों को निरस्त कर लड़की को बरामद करना चाहते हैं और लड़कों को सलाखों के पीछे डालना चाहते हैं। ये लड़कियां कभी घरों में कैद कर दी जाती हैं तो कभी नारी निकेतनों में। यह सोच ही बहुत बचकानी है कि लड़कियां सुरक्षित हो जाएंगी। वह परिवार जिसका बेटा महज़ प्रेम करने के जुर्म में बलात्कार या अपहरण की सज़ा भुगत रहा होगा क्या वह चैन से जी सकता हैघ्

भीड़ को उकसाने वाले इसका जवाब देंगे। कैसा अकेला और डरा हुआ समाज होगा वह जहां प्रेम और सद्भाव का पूरी तरह अभाव होगा और हर बेटी के मां.बाप केवल चाकू की धार तेज करने में ही लगे होंगे। जिन विचाराधीन कैदियों से भारत की जेलें भरी पड़ी हैं उनमें बड़ी सं या में ऐसे लड़के हैं और बाहर घुटन में जीतीं वे लड़कियांए समझौते का जीवन गुज़ारती हुई। जात.बिरादरी से दूरी और नफ़रत ने समूचे समाज के सद्भाव में गहरा घाव कर दिया है और ये नेता जब.तब इस घाव को कुरेदते रहते हैं।

हैरत की बात है कि राजनीतिक दल ने घृणा की यह भाषा महिला नेताओं के हिस्से में डाल दी हैए वह भी निर्वाचित नेता के। क्या यह भी सोचा समझा हुआ है कि सद्भावना और प्रेम में यकीन रखने वाली स्त्री के मुख से ऐसी कटु बातें कहलवाई जाएं। भारत की सबसे बड़ी और लोकप्रिय पार्टी को आखिर क्यों इन हिंसक भाषणों का सहारा लेना चाहिएघ् क्या उसे अपनी लोकप्रियता पर शक है या उसकी इस लोकप्रियता का आधार कमज़ोर हैघ् जब सत्ता इस कदर असुरक्षित रहेगी तो नागरिक को उसके सुरक्षित रखने का आश्वासन राज्य की ओर से कैसे दिया जा सकता हैघ् क्या जनता नए साल में अपने लिए कुछ बेहतर और नए की उ मीद कर सकती। फ़ैज़ा लुधियानवी का शेर है.

तू नया है तो दिखा सुबह नईए शाम नईए
वरना इन आंखों ने देखे हैं नए साल कई।।

विविध समाचार

आप भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से चार कदम आगे : नायब सैनी

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में जनता से जो वायदें किए थे वह 4 साल बीत जाने के बाद भी पूरे नहीं हुए है। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त है तथा आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी चार कदम आगे है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को लुधियाना स्थित छट पूजा मैदान में आयोजित पूर्वांचल सम्मान रैली को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री का यहां पहुंचने पर पदाधिकारियों ने भव्य अभिन्नदन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस मौके पर पूर्वांचल सम्मान रैली के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि लुधियाना एक प्रसिद्ध औद्योगिक नगरी है और इस मेहनतकश धरती को मैं शीश नवा कर नमन करता हूं। पंजाब गुरुओं की, पीरों की और वीरों की भूमि है। लुधियाना की इस ऐतिहासिक धरती पर, जिसे पंजाब की औद्योगिक राजधानी और भारत का 'मैनचेस्टर' भी कहा जाता हैं, मुझे आमंत्रित करने के लिए आप सब का वंदन करता हूं। यह रैली केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि परिवर्तन का संदेश है। पंजाब भारत की आत्मा है। यह सीमाओं का प्रहरी है, खेतों की खुशबू है, ढोल की थाप है, गुरूओं की वाणी है और शौर्य की पहचान है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कांग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि दोनों पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त है। आम आदमी पार्टी तो भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी चार कदम आगे है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों ने मन बना लिया है कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनानी है। लोग कांग्रेस और आप को बाहर करने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आम आदमी पार्टी ने चार साल में कुछ नहीं किया। लोगों से झूठ बोला, झूठे सब्जबाज दिखाए। एक भी वायदा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने बाहर का रास्ता दिखाने का काम किया है। इतना ही नहीं केजरीवाल व उसके नेता अपने आपको कटर ईमानदारी कहते थे उनका असली चेहरा सारे देश के सामने आया है। केजरीवाल के साथ–साथ उसके नेता जेल में रहे है, इस बात का प्रमाण है। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को जन्म दिया, जबकि आम आदमी पार्टी ने इस पर अंकुश लगाने की बजाए, उसे बढाया है, चार कदम इनसे भी आगे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब और हरियाणा का आपस में रिश्ता है, इनकी एक ही छत है, संस्कार व संस्कृति भी एक ही है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में जनता के साथ जो वायदें किए गए थे उन्हें तेजी से पूरा करने का काम किया जा रहा है। बहनों की रसोई में 500 रूपए में गैस सिलेन्डर देने का काम किया गया है। किडनी के जो रोगी है उनकी हरियाणा के सरकारी अस्पतालों के साथ–साथ मेडिकल कॉलेजों में निशुल्क डायलिसिस भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जहां पर शत प्रतिशत फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरी दी जा रही है। लगभग 2 लाख युवाओं को नौकरी देने का काम किया गया है। आयुष्मानध चिरायु योजना के माध्यम से 27 लाख परिवारों का निशूल्क ईलाज किया गया है और इस पर साढे चार हजार करोड़ रूपए की राशि खर्च की गई है। इसके साथ–साथ 70 साल से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गो के ईलाज की चिंता भी केन्द्र व प्रदेश सरकार ने की है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रूपए की राशि प्रति माह दी जाती है तथा बहनो को आत्म निर्भर बनाने के लिए 4 प्रतिशत ब्याज की दर पर 5 लाख रूपए का लोन भी दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने नशे को रोकने की बजाए उसे बढाया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही पंजाब में 2027 में कमल का फूल खिलेगा, यहां से नशे की गतिविधियों में जो भी सलिप्त है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जो गैंग्स्टर कलर्चर है उसे सख्ती से खत्म किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास की राजनीति में विश्वास रखते है और जैसे ही भाजपा की पंजाब में सरकार बनेगी, केन्द्र की जितनी भी योजनाएं है, यहां पर उन सभी को लागू करने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी पर औच्छी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस रैली में आने वाले लोगों को रोका गया, उनके वाहन रोके गए। रैली में लोगों को आने से रोकना व बसों को रोकना उनकी घटिया मानसिकता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित सभी लोगों से आहवान किया कि पंजाब को नम्बर वन का सूबा बनाने के लिए वर्ष 2027 में पंजाब में भाजपा की सरकार लाने का काम करे । कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा व रैली के आयोजक राजेश मिश्रा ने भी उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनाने के लिए आहवान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष लुधियाना रजनीश धीमान के साथ–साथ अन्य पदाधिकारीगण व समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

फर्जी जॉइनिंग करवा रहे हैं हरियाणा के मुख्यमंत्री : अनुराग ढांडा

चंडीगढ। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर पंजाब में कथित तौर पर फर्जी जॉइनिंग करवाने के आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठे मुख्यमंत्री को कम से कम अपने पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। ढांडा ने आरोप लगाया कि पंजाब में भाजपा के पक्ष में माहौल न बनने के कारण हरियाणा से युवाओं को लाकर पंजाब के मंचों पर पार्टी में शामिल होने का दिखावा किया जा रहा है। यह न केवल राजनीतिक मर्यादाओं के खिलाफ है, बल्कि युवाओं को भ्रमित करने का प्रयास भी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि वे किसे गुमराह करना चाहते हैं? एक ओर हरियाणा में युवाओं को पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहा, वहीं दूसरी ओर उन्हें राजनीतिक कार्यक्रमों में इस्तेमाल किया जा रहा है। यह हरियाणा के युवाओं के साथ अन्याय और पंजाब के युवाओं का अपमान है। ढांडा ने कहा कि पंजाब के युवाओं में भाजपा के प्रति असंतोष के कई कारण हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पंजाब बाढ़ की मार झेल रहा था, तब केंद्र सरकार ने अपेक्षित सहयोग नहीं दिया। किसान आंदोलन के दौरान सैकड़ों किसानों की शहादत ने भी राज्य में गहरी नाराजगी पैदा की है, जिसे लोग आज तक भूले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि जिन युवाओं को हाल ही में पंजाब के मंच पर भाजपा में शामिल दिखाया गया, वे हरियाणा के निवासी हैं। "मुख्यमंत्री हरियाणा के, युवक हरियाणा के और कार्यक्रम पंजाब मेंकृयह पूरी कवायद मुख्यमंत्री की हताशा को दर्शाती है," उन्होंने कहा। आम आदमी पार्टी ने मांग की कि मुख्यमंत्री इस तरह के राजनीतिक प्रदर्शन बंद करें और अपने राज्य के युवाओं की समस्याओं के समाधान पर ध्यान दें। ढांडा ने कहा कि जनता अब जागरूक है और ऐसे किसी भी कथित फर्जीवाड़े का सच सामने आता रहेगा।

गुरदासपुर पुलिस हत्याकांड की केंद्रीय गृह मंत्रालय से हो स्वतंत्र जांच : सुखजिंदर सिंह रंधावा

गुरदासपुर। सीनियर कांग्रेस नेता एवं गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जिले में हाल ही में दो पुलिस कर्मियों की हत्या के मामले में सामने आए आधिकारिक बयान पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय से करवाने की मांग की है, ताकि सच्चाई देश और प्रदेश की जनता के सामने लाई जा सके। रंधावा ने कहा कि यह मामला अत्यंत संवेदनशील है और इसे किसी भी स्तर पर हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना में हर स्तर पर जवाबदेही तय होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हाल ही में सार्वजनिक हुई फुटेज कथित 'आपसी शूटआउट' की थ्योरी पर गंभीर संदेह पैदा करती है। उपलब्ध दृश्य संकेत देते हैं कि घटना के समय दोनों अधिकारी या तो बैठे हुए थे अथवा विश्राम की स्थिति में थे। इसके अतिरिक्त, एक राइफल के बिस्तर के पीछे रखे होने की जानकारी भी सामने आई है, जिससे यह दावा संदिग्ध प्रतीत होता है कि उसी हथियार से फायरिंग की गई। रंधावा ने कहा कि यह केवल तथ्यात्मक असंगति नहीं, बल्कि एक बुनियादी विरोधाभास है। यदि अधिकारी आत्मरक्षा की स्थिति में ही नहीं थे, तो 'शूटआउट' की परिकल्पना स्वतः कमजोर पड़ जाती है।

राजस्थान के पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट परेड का किया अवलोकन

अमृतसर। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), जयपुर द्वारा आयोजित गर्व की भावना को और प्रबल किया। पत्रकारों ने इस अवसर को भारत की चंड़ीगढ़, पंजाब एयर हरियाणा दौरे के अंतर्गत राजस्थान के वरिष्ठ पत्रकारों सुरक्षा व्यवस्था, सीमाओं की सतर्कता तथा जवानों के अनुशासन को समझने के प्रतिनिधिमंडल ने भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा स्थित अटारी का महत्वपूर्ण अनुभव बताया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि अटारी बॉर्डर पर आयोजित रिट्रीट परेड का अवलोकन किया। इस अवसर पर बॉर्डर पर आयोजित यह रिट्रीट परेड देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता प्रतिनिधिमंडल ने देशभक्ति और अनुशासन से परिपूर्ण समारोह को देखा का सशक्त प्रतीक है। यह दौरा केंद्र सरकार की विभिन्न विकासात्मक और और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस व समर्पण की सराहना की। रिट्रीट परेड राष्ट्रीय महत्व की पहलों को समझने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों द्वारा प्रदर्शित अनुशासित जिसके अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल चंडीगढ़ एवं पंजाब के विभिन्न संस्थानों का मार्च, ऊर्जावान कदमताल और समन्वित प्रदर्शन किया । सभी में राष्ट्रीय भ्रमण कर रहा है।

सीट कम करने का एक छिपा हुआ एजेंडा है–सोरेन

रांची : झारखंड के मुज्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि परिसीमन की प्रक्रिया एक सुनियोजित 'साजिश' और 'छिपे एजेंडे' के तहत लायी जा रही है ताकि आदिवासी और दलितों के लिए आरक्षित सीटों को कम किया जा सके। सोरेन ने विधानसभा में यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता केवल राज्य और देश के विकास के बारे में बोलते हैं, लेकिन करते कुछ नहीं। बजट सत्र के आखिरी दिन सोरेन ने कहा, ''परिसीमन की कवायद के पीछे एक छिपा हुआ एजेंडा है, जो है आदिवासी और दलितों के लिए आरक्षित सीटों को कम करना। पहले भी ऐसी कोशिशें की गई थीं, जिन्हें दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने विफल कर दिया था। लेकिन इस बार इसे पूरे देश के लिए एक सुनियोजित साजिश के तहत आगे लाया जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने भाजपा नेता अनिल महतो टाइगर की हत्या की निंदा की और कहा कि इस अपराध को अंजाम देने वालों को बज़्शा नहीं जाएगा। सोरेन ने कहा, ''घटना कल हुई, मैं इसकी निंदा करता हूं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं ने आज मृतक के परिजन से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि अपराधियों को बज़्शा नहीं जाएगा।''मुज़्यमंत्री के भाषण से पहले भाजपा के विधायकों ने सदन बहिगर्मन वाकआउट। भाजपा पर निशाना साधते हुए मुज़्यमंत्री सोरेन ने कहा कि

उनके नेता केवल राज्य और देश के सर्वांगीण विकास के बारे में बोलते हैं, लेकिन कुछ नहीं करते।

उन्होंने आरोप लगाया, ''उनका एकमात्र लक्ष्य सज़ा हथियाना है, भले ही उन्हें जनादेश न मिले। इसके पीछे एक छिपा हुआ एजेंडा है। वे चाहते हैं कि अधिक से अधिक राज्यों में उनकी सरकार हो, ताकि वे देश के वर्तमान संविधान को बदल सकें। सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार ने विज़ीय वर्ष 2025–26 के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जिसे सदन ने पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का जोर सामाजिक सुरक्षा पर रहा है। उन्होंने कहा, ''सरकार करीब 58 लाख महिलाओं को मईया सज़्मान योजना का लाभ दे रही है। योजना का असर एक–दो साल में दिखने लगेगा। सरकार इस योजना पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। सोरेन ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह दिल्ली समेत कई राज्यों में महिलाओं को मइया सज़्मान जैसी योजना देने का वादा करके सज़ा में आई, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने अनाथ और शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने का फैसला किया है।उन्होंने कहा, ''हम जल्द ही वाल्मीकि छात्रवृज़ि योजना शुरू करेंगे, जिसके तहत ऐसे छात्रों को दैनिक जरूरतों, अध्ययन सामग्री और अन्य खर्चों के लिए 4,000 रुपये दिए जाएंगे।'' सोरेन ने कहा कि सरकार राज्य के लोगों के लिए हेलीकॉप्टर एंबुलेंस सेवा शुरू करने की भी तैयारी कर रही है।

जंगली हाथियों के हमले में महिला समेत दो की मौत

सिमडेगा : झारखंड के सिमडेगा जिले में शुक्रवार को अलग–अलग घटनाओं में जंगली हाथियों के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। एक वन अधिकारी ने यह जानकारी दी। वन अधिकारी ने बताया कि महाबुआंग पुलिस थाना अंतर्गत बुरुइर्गी देबाटोली गांव में शुक्रवार देर रात करीब एक बजे अपने घर के बाहर सो रहे 28 वर्षीय विकास ओहदार नामक व्यक्ति को हाथी ने कुचलकर मार डाला। सिमडेगा के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) शशांक शेखर सिंह ने बताया कि दूसरी घटना बानो थाना क्षेत्र के जामंग गांव में सुबह करीब छह बजे हुई। यहां पास के जंगल में महुआ के फूल एकत्र करने गई सिबिरया लुगुन नामक 45 वर्षीय महिला को हाथी ने हमला कर मार डाला।वन विभाग ने मृतक के परिजनों को तत्काल राहत के रूप में 10,000 रुपये प्रदान किए। अधिकारी ने बताया कि औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मुआवजे की शेष राशि परिजनों को प्रदान की जाएगी। हाथी के हमले में जान गवाने वालों को झारखंड सरकार चार लाख रुपए का मुआवजा देती है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, शनिवार 01 अगस्त 2026 | पृष्ठ-6

पुलिस महानिदेशक वाई बी खुरानिया ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे की सुरक्षा समीक्षा की

भुवनेश्वर ३१/०७ (संवाददाता): ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया ने शुक्रवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि तीन अगस्त से शुरू होने वाले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राज्य के तीन दिवसीय दौरे के दौरान वीवीआईपी सुरक्षा के लिए 'ज्लू बुक' में तय प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ओडिशा पुलिस मुख्यालय के एक बयान में कहा गया, ''डीजीपी ने निर्देश दिया कि सभी संबंधित इकाइयां अति विशिष्ट व्यक्ति (वीवीआईपी) को दी जाने वाली सुरक्षा के तहत 'ज्लू बुक' में तय प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

अलग-अलग विभागों के बीच सुरक्षा से जुड़े सभी कामों में बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं।'' खुरानिया ने राष्ट्रपति की आगामी यात्रा को लेकर एक बैठक में सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। इस बैठक में कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिनमें निदेशक (खुफिया) आर पी कोचे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) (कानून व्यवस्था) संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (राज्य सशस्त्र पुलिस) (एडीजीपी-एसएपी) राजेश कुमार, पुलिस आयुक्त (भुवनेश्वर-कटक) देवदत्त सिंह, पूर्व तट रेलवे (ईसीओआर) के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (पीसीएससी) आलोक बोहरा, आईजीपी (सीआर) सत्यजीत नाइक और पुलिस अधीक्षक (एसपी), अपराध अन्वेषण विभाग-अपराध शाखा (सीआईडी-सीबी), विवेकानंद शर्मा शामिल थे। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के अनुसार, मुर्मू तीन अगस्त की दोपहर नयी दिल्ली से एक विशेष विमान से भुवनेश्वर पहुंचेंगी और फिर सड़क मार्ग से कटक जिले के बांकी के पास स्थित जगद्गुरु कृपालु विश्वविद्यालय जाएंगी, जहां वह संस्थान का उद्घाटन करेंगी। रात्रि विश्राम के लिए वह भुवनेश्वर लौट आएंगी। राष्ट्रपति चार अगस्त को भुवनेश्वर से बेरहामपुर तक ट्रेन से यात्रा करेंगी और वहां से सड़क मार्ग से गंजाम जिले के तप्तपानी जाएंगी। तप्तपानी में वह सनाखेमुंडी प्रखंड के अंतर्गत गोविंदपुर पंचायत में स्थित मां कंधुनी देवी मंदिर में पूजा-अर्चना और आरती करेंगी तथा पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेंगी।अधिकारियों ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग की बारिश की भविष्यवाणी को ध्यान में रखते हुए ट्रेन यात्रा का कार्यक्रम तय किया गया है। सुरक्षा तैयारियों के तहत सभी जगहों और यात्रा के मार्गों पर बम निरोधक दस्ते से जांच को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाएगी। बयान में कहा गया है कि रेलवे पटरी की निगरानी बढ़ा दी गई है और यात्रा के दौरान रास्ते में पड़ने वाले सभी समपार फाटक पर कर्मचारी तैनात रहेंगे। बयान के अनुसार प्लेटफॉर्म पर ड्यूटी के लिए तैनात रेलवे कर्मचारियों की पहले ही पहचान की जा रही है और सुचारु प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ड्यूटी पास जारी किए जा रहे हैं। तैयारियों को मजबूत करने के लिए ड्रोन से निगरानी और जगहों व मार्गों की लगातार जांच जैसे व्यापक सुरक्षा उपाय भी किए जा रहे हैं। डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रपति के दौरे को सुचारु, सुरक्षित और गरिमापूर्ण बनाने के लिए पुलिस, रेलवे और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखें।

मोहन चरण माझी ने अमित शाह और अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात, मांगा सहयोग

भुवनेश्वर ३१/०७ (संवाददाता): ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इस दौरान, उन्होंने राज्य में औद्योगिक सुरक्षा को मजबूत करने और रेल संपर्क का विस्तार करने के लिए केंद्र सरकार का समर्थन मांगा और कहा कि आर्थिक विकास को गति देने के लिए ये दोनों ही चीजें बहुत महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, दिल्ली में शाह और वैष्णव के साथ अलग-अलग हुई मुलाकात में माझी ने औद्योगिक विकास, आंतरिक सुरक्षा, रेलवे बुनियादी ढांचा और लंबी अवधि की आर्थिक योजना से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

बयान के अनुसार, शाह के साथ मुलाकात में माझी ने कहा कि ओडिशा विकास, प्रगति और समृद्धि की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने औद्योगिकीकरण की गति को बनाए रखने के लिए औद्योगिक सुरक्षा को मजबूत करने में केंद्र से सहयोग मांगा। बयान में कहा गया है कि माझी ने गृह मंत्री को राज्य की विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था की

स्थिति, आंतरिक सुरक्षा और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में भी जानकारी दी। माझी ने कहा कि ओडिशा को नक्सल-मुक्त राज्य के रूप में मान्यता मिली है, जिससे सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अनुकूल माहौल बना है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'ग्रामोदय योजना' के जरिये उन इलाकों में केंद्र और राज्य की कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है, जो पहले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सक्रिय पुलिसिंग की वजह से कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है।

सीएमओ के मुताबिक, शाह ने राज्य की विकास और कल्याणकारी पहलों की सराहना की तथा ओडिशा के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, माझी ने दिल्ली में वैष्णव से भी मुलाकात की और रेलवे बुनियादी ढांचा को मजबूत करने, लंबित रेल परियोजनाओं के काम में तेजी लाने और पूरे राज्य में संपर्क बेहतर बनाने पर चर्चा की।

माझी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारी प्राथमिकता आर्थिक विकास को गति देने के लिए क्षेत्रीय और औद्योगिक संपर्क को बेहतर बनाना है। केंद्र सरकार के लगातार सहयोग से हम एक विकसित और समृद्ध ओडिशा की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

मवेशी तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 300 से ज़्यादा मवेशी बचाए गए

मयूरभंज ३१/०७ (संवाददाता):उत्तरी ओडिशा में चल रहे कथित मवेशी तस्करी नेटवर्क पर कार्रवाई तेज़ हो गई है, पुलिस ने मयूरभंज से पश्चिम बंगाल में तस्करी की कोशिश के दौरान 300 से ज़्यादा मवेशी बरामद किए और 11 लोगों को गिरफ़्तार किया। यह ताज़ा कार्रवाई एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा है जो शुरू में क्योंझर में शुरू हुआ था और अब पाँच से ज़्यादा ज़िलों में फैल गया है। तस्कर पैदल मवेशी ले जाते हुए पकड़े गए पुलिस के अनुसार, 11 आरोपियों को बारीपदा इलाके में नेशनल हाईवे 49 पर पैदल मवेशियों की तस्करी करते हुए पकड़ा गया। जानवरों को पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था, तभी बंगिरीपोसी में स्थानीय लोगों ने इस ग्रुप को रोका और पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि ये संदिग्ध भद्रक, जाजपुर और क्योंझर ज़िलों के रहने वाले हैं, उन्हें हिरासत में ले लिया गया है और सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ़्तार किए गए लोग रोज़ाना मवेशियों की ढुलाई में सीधे तौर पर शामिल थे। उनकी गिरफ़्तारी तब हुई जब तस्करी नेटवर्क के पीछे के मास्टरमाइंड माने जाने वाले लोगों से जुड़े ठिकानों पर एक साथ छापे मारे गए। बारीपदा और रायरंगपुर में छापे चल रहे ऑपरेशन के तहत, पुलिस ने बारीपदा में सुरजीत मोहंती के घर पर छापा मारा, जिसकी पहचान इस रैकेट में एक मुख्य साज़िशकर्ता के रूप में हुई है। छापे के दौरान, लगभग 33 लाख रुपये नकद, साथ ही सोने और चांदी के गहने ज़ब्त किए गए।

रायरंगपुर के टेंटोपोसी में एक अलग ऑपरेशन में, पुलिस ने लगभग सात घरों पर छापे मारे, जो कथित तौर पर मवेशी तस्करी की गतिविधियों से जुड़े थे। चार पिकअप ट्रक और नौ मोटरसाइकिलें ज़ब्त की गईं, जबकि छह लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। आर्थिक अपराध का एंगल जांच के दायरे में बारीपदा सदर सब-डिविज़नल पुलिस अधिकारी (स्ष्ठक्ह) ने कहा कि आने वाले दिनों में छापे और ज़ब्ती की कार्रवाई और तेज़ की जाएगी। उन्होंने कहा कि रैकेट से जुड़े पाए जाने वाले लोगों पर आर्थिक अपराध की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। जांचकर्ता आरोपियों की आय के स्रोतों और संपत्ति के जमावड़े की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने इतनी बड़ी संपत्ति कैसे हासिल की।मास्टरमाइंड की पहचान हुई, और गिरफ़्तारियों की उम्मीद पुलिस ने बताया कि तस्कर अपनी अवैध गतिविधियों को छिपाने के लिए लोहे की छड़ों, सीमेंट और अन्य निर्माण सामग्री के व्यापार का बहाना बना रहे थे। जबकि गिरफ़्तार किए गए 11 लोग मुख्य रूप से मवेशियों की ढुलाई में शामिल थे, जांचकर्ताओं ने नेटवर्क के पीछे के मास्टरमाइंड का पता लगा लिया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, और गिरफ़्तारियां होने की संभावना है।

ओडिशा देश के शासन सुधारों में सक्रिय भागीदार

भुवनेश्वर ३१/०७ (संवाददाता): मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि ओडिशा भारत के प्रशासनिक सुधारों के अभियान में एक सक्रिय भागीदार रहा है।

यहाँ लोक सेवा भवन के कन्वेंशन सेंटर में सुशासन प्रथाओं पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि राज्य केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रशासनिक सुधारों को आगे बढ़ा रहा है। अपने मुख्य भाषण में, मुख्यमंत्री माझी ने कागज़ रहित बजट से लेकर डिजिटल शिकायत निवारण तंत्र तक, प्रशासनिक परिवर्तन में ओडिशा की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ओडिशा को न केवल एक मेजबान के रूप में, बल्कि उत्तरदायी और पारदर्शी शासन की दिशा में भारत की यात्रा में एक सक्रिय भागीदार के रूप में योगदान देने पर गर्व है। राज्य की डिजिटल छलांग पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री माझी ने राज्य सरकार की प्रमुख पहलों जैसे ओडिशा सचिवालय वर्कफ़्लो ऑटोमेशन सिस्टम (OSWAS) और अभिनव वर्क पासबुक को पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक सहभागिता बढ़ाने के मॉडल के रूप में उद्धृत किया।

आरएसपी में उत्पादकता बढ़ाने एवं हॉट मेटल सिलिकॉन में कमी लाने पर पीआईडज़्ल्यू का आयोजन

राउरकेला ३१/०७ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र द्वारा 30 जुलाई, 2026 को 'उत्पादकता बढ़ाने एवं हॉट मेटल सिलिकॉन में कमी लाने' विषय पर एक दिवसीय परफॉर्मेंस इज़्रूवमेंट वर्कशॉप (पी.आई.डज़्ल्यू.) का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में ज्लास्ट फर्नेस (बी.एफ.), स्टील मेल्टिंग शॉप (एस.एम.एस.), कोक ओवन (सी.ओ.), सिंटर प्लांट, आर.एम.एच.पी. तथा टी.आर.एम. विभागों के कार्यपालकों एवं गैर-कार्यपालकों सहित कुल 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यशाला तकनीकी ज्ञानवर्धन, अनुभवों के आदान-प्रदान तथा परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से सामूहिक विचार-विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम का उद्घाटन आर.एस.पी. के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री बी.आर.पलई ने किया। इस अवसर पर मुख्य महा प्रबंधक (विज़ल) तथा अतिरिक्त प्रभार

कार्यपालक निदेशक (विज़ल), श्री आर.दासगुप्ता, मुख्य महा प्रबंधक, आर.डी.सी.आई.एस., आर.एस.पी. सेंटर, श्री एस.चट्टोपाध्याय तथा आर.एस.पी. के मुख्य महा प्रबंधक, ज्लास्ट फर्नेस, श्री सुमित कुमार भी उपस्थित थे।

अपने उद्घाटन संबोधन में श्री पलई ने कहा कि कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य लागत में कमी लाना है। उन्होंने प्रतिभागियों से ऐसे व्यावहारिक एवं कार्यान्वित योग्य सुझाव प्रस्तुत करने का आह्वान किया, जिनसे प्रमुख तकनीकी एवं आर्थिक मानकों में सुधार लाया जा सके। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि तकनीकी चर्चा को कार्ययोजनाओं में परिवर्तित किया जाए, ताकि संयंत्र के समग्र प्रदर्शन में सार्थक योगदान सुनिश्चित हो सके।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है लौह निर्माण प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने तथा ज्लास्ट फर्नेस के प्रदर्शन में सुधार लाने पर रहा। इसके अंतर्गत उत्पादकता वृद्धि, लागत अनुकूलन तथा परिचालन अनुशासन जैसे विषयों पर संरचित तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों का उद्देश्य संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच व्यावहारिक अनुभवों का आदान-प्रदान बढ़ाना तथा प्रक्रिया दक्षता एवं उत्पाद गुणवत्ता में सुधार हेतु उपयोगी सुझाव विकसित करना था। तकनीकी सत्रों की प्रारंभ में लौह निर्माण की मूलभूत अवधारणाओं एवं ज्लास्ट फर्नेस संचालन पर विस्तृत चर्चा से हुई, जिसमें विशेषज्ञों ने हॉट मेटल की गुणवत्ता तथा भट्ठी की कार्यकुशलता को प्रभावित करने वाले प्रमुख प्रक्रिया मानकों की विस्तार से जानकारी दी। संपूर्ण दिवस पर आयोजित तकनीकी प्रस्तुतियों में संयंत्र के प्रदर्शन में सुधार, परिचालन संबंधी बाधाओं की पहचान तथा दैनिक कार्यों में लागत-प्रभावी उपायों को अपनाने के विभिन्न पद्धति पर विस्तार से चर्चा की गई।

अपराह्न के सत्र में प्रतिभागियों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया, जहाँ उन्होंने विशिष्ट प्रदर्शन संबंधी चुनौतियों पर विचार-विमर्श कर उनके व्यावहारिक समाधान सुझाव दिये। इसके पश्चात प्रत्येक समूह ने समापन सत्र में अपनी अनुशंसाएँ प्रस्तुत करते हुए उत्पादकता बढ़ाने, हॉट मेटल में सिलिकॉन की मात्रा कम करने तथा परिचालन लागत के अनुकूलन के लिए प्रभावी उपायों का प्रस्ताव रखा। इस परफॉर्मेंस इज़्रूवमेंट वर्कशॉप (पी.आई.डज़्ल्यू.) को परिचालन उत्कृष्टता को सुदृढ़ बनाने तथा ज्लास्ट फर्नेस प्रदर्शन प्रबंधन के प्रति साझा समझ को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में शामिल किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप महा प्रबंधक, ज्लास्ट फर्नेस, श्री बी.बी. के.बेहरा, के साथ सहायक महा प्रबंधक, एच.आर.-एल.एण्ड डी., सुश्री ज्योति ओरेया, तथा वरिष्ठ प्रबंधक, एच.आर.-एल.एण्ड डी., सुश्री ज्योतिर्मयी राउरतिया ने किया।

शहरों के कायाकल्प के लिए समृद्ध सहारा योजना पर विचार

भुवनेश्वर ३१/०७ (संवाददाता):मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल ने बुधवार को 4,879 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ शहरों को विकास केंद्रों में बदलने हेतु समृद्ध सहारा योजना सहित 13 प्रस्तावों को मंज़ूरी दी।

मुख्य सचिव मनोज आहूजा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि आवास एवं शहरी विकास विभाग की समृद्ध सहारा योजना का उद्देश्य राज्य भर में नियोजित शहरीकरण और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह योजना विकसित ओडिशा-2036 विजन का एक हिस्सा है और शहरों को आर्थिक प्रगति के इंजन में बदलने के लिए डिज़ाइन की गई है।

इस योजना के दो प्रमुख घटक हैं - नगर नियोजन और विकास केंद्रों के रूप में शहर। उन्होंने कहा कि नगर नियोजन घटक के तहत, नियोजित विकास को सक्षम बनाने के लिए अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भूमि भूखंडों को एकत्रित और पुनर्गठित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह सड़क, जल आपूर्ति, सीवरेज प्रणाली और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसे आवश्यक शहरी बुनियादी ढांचे के प्रावधान को सुगम बनाएगा। 4,114 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ, इस पहल से भूमि और परिसंपत्ति प्रबंधन में उल्लेखनीय वृद्धि होने और सतत विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। शहरी क्षेत्रों को आर्थिक परिवर्तन के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए 765.30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा। यह एकीकृत आर्थिक समूहों, औद्योगिक टाउनशिप और उच्च क्षमता वाले शहरी गलियारों के विकास में सहायता करेगा।